श्रावण शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 14 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 05-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 असम सरकार 'लव जिहाद' मामलों में उम्रकैद की सजा के लिए जल्द कानून लाएगी

6 सावन में खुशियों के बीज, बोने आती हरियाली तीज

7 पाकिस्तान की सेना को मुझसे माफी मांगनी चाहिए : इमरान खान

फर्स्ट टेक

लेबनान से इजरायल में लगभग 30 रॉकेट लॉन्च

यरुशलम/एजेन्सी। लेबनान से उत्तरी इजरायल में लगभग 30 रॉकेट लॉन्च किये गये, जिनमें से अधिकांश को रास्ते में मार गिराया गया। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने रविवार को बताया कि उत्तरी इजरायल में लेबनान से एक रॉकेट हमला किया गया और कई रॉकेटों को इजरायल की आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली द्वारा मार गिराया गया। लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने उत्तरी इजरायल के बेत हिलेल शहर की ओर कई रॉकेट दागे हैं। आईडीएफ ने बताया कि हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ। उसने कहा, जवाबी कार्रवाई में उसने हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर कई हमले किये। इसके अलावा, दक्षिणी लेबनान के मरजायौन इलाके में अतिरिक्त आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया।

जोकोविच ने अल्काराज को हराकर पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता

पेरिस/एपी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को पुरुष टेनिस एकल फाइनल में

कार्लोस अल्काराज को सीधे सेट में हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। सैंतीस साल के सर्बिया के जोकोविच ने स्पेन के अल्काराज के खिलाफ 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की और अपने 24 ग्रैंडस्लैम खिताब में एक और उपलब्धि जोड़ दी। जोकोविच इसके अलावा पुरुष और महिला दोनों वर्ग में सबसे अधिक हफ्तों तक नंबर एक रैंकिंग पर काबिज रहने वाले खिलाड़ी हैं। जोकोविच ने इससे पहले 2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

केरल के मलप्पुरम जिले से एकत्र चमगादड़ के नमूनों में निपाह वायरस की पुष्टि

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मलप्पुरम जिले के पांडिक्कड़ से एकत्र किए गए चमगादड़ों के नमूनों में निपाह वायरस का पता चला है। इसी जिले में 21 जून को संक्रमण के कारण 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार पांच किलोमीटर के दायरे से एकत्र किए गए 27 चमगादड़ों के नमूनों में से छह में एंटीबॉडी पाई गई। मंत्री ने कहा कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क सूची में शामिल लोगों की निपाह प्रोटोकॉल के अनुसार की गईं सभी जांचें अब तक नेगेटिव रही हैं। उन्होंने बताया कि कुल 472 लोग संपर्क सूची में हैं और 21 दिन की अनिवार्य पृथकवास अवधि पूरी कर चुके 261 लोगों को सूची से हटा दिया गया है।

05-08-2024 सूर्यास्त 6:45 बजे | 06-08-2024 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE	NSE
80,981.95	24,717.70
(-885.59)	(-293.20)

सोना	चांदी
7,105 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	85,600 रु. प्रति किलो

21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार साबित होंगे तीन नए आपराधिक कानून : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केंद्र द्वारा लाये गये तीन नए आपराधिक कानूनों को 21वीं सदी का ''सबसे बड़ा'' सुधार करार दिया। उन्होंने कहा कि इन कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक और तकनीक से युक्त आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी। शाह यहां तीन नये आपराधिक कानूनों के लिए ई-साक्ष्य, ई-समन, न्याय सेतु और न्याय श्रुति ऐप का लोकार्पण करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

एक जुलाई को प्रभावी हुए बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए ने क्रमशः ब्रिटिशकालीन भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

शाह ने कहा कि चंडीगढ़ देश की पहली प्रशासनिक इकाई होगी, जहां अगले दो माह में तीनों कानूनों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली को संचालित करने वाले ये नये कानून 21वीं सदी का ''सबसे बड़ा'' सुधार है।

गृह मंत्री ने कहा कि इन कानूनों में तकनीक को इस प्रकार से शामिल किया गया है कि आने वाले 50 साल तक ईजाद होने वाली सारी तकनीक को इसमें समाहित कर लिया गया है।

शाह ने कहा कि हमारे संविधान की भावना के अनुसार नागरिक केंद्रित कानून बनाए गए हैं और इनका पूर्ण क्रियान्वयन होने के बाद किसी भी मामले में उच्चतम न्यायालय तक तीन वर्ष में फैसला आ जाएगा। उन्होंने कहा, ''बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए, संसद में चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा भारत की जनता के लिए बनाए गए कानून हैं। इसमें भारत की मिट्टी की खुशबू है और हमारे न्याय की संस्कृति भी है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि 150 साल पहले बने कानून प्रासंगिक नहीं रह सकते।

शाह ने कहा कि वर्षों तक लोगों को न्याय नहीं मिलता था और तारीख पर तारीख मिलती थी। गृह मंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे लोगों का विश्वास तंत्र पर से उठता जा रहा था इसीलिए मोदी सरकार ने इन तीन नये कानूनों को लागू करने पर काम किया।

अंतरराष्ट्रीय निर्बाध रेल नेटवर्क योजना की पुतिन ने की घोषणा

मॉस्को/एजेन्सी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को निर्बाध रेलवे नेटवर्क की स्थापना सहित अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे विकसित करने की योजनाओं की घोषणा की। पुतिन ने रूस के रेलवे श्रमिक दिवस के अवसर पर एक वीडियो संबोधन में कहा, हमारा लक्ष्य बाल्टिक और बैरेंट्स सागर से फारस की खाड़ी तथा हिंद महासागर के तटों तक निर्बाध रेलवे संचार स्थापित करना है। उन्होंने कहा, ये वास्तव में बड़े लक्ष्य हैं और मुझे विश्वास है कि आपकी विशेषज्ञता, अनुभव और देश के हितों के प्रति प्रतिबद्धता से हम इन्हें हासिल करेंगे। उन्होंने मास्को में सेंट्रल ट्रांसपोर्ट हब के साथ एकीकृत होने के लिए हाई-स्पीड रेलवे का निर्माण, अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक कॉरिडोर का निर्माण और अज़ोव से काला सागर तक परिवहन मार्ग के विस्तार संबंधी परियोजनाओं की भी रूपरेखा तैयार की।

केदारनाथ में फंसे 10374 लोगों को लाया गया वापस

अभी तक कुल 19,473 हुए रेस्क्यू

देहरादून/एजेन्सी। उत्तराखंड में 31 जुलाई को अतिवृष्टि के कारण अस्त व्यस्त हुई केदारनाथ और यात्रा मार्ग पर फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाने का काम युद्ध स्तर पर रविवार को भी जारी रहा। आज सुबह से शाम पांच बजे तक कुल 10374 लोगों को वापस लाया गया है। अभी तक कुल 19,473 व्यक्तियों को विभिन्न माध्यमों से विपरीत मौसम के बावजूद सुरक्षित स्थानों पर लाया जा चुका है। आपदा प्रबन्धन एंव पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि 31जुलाई को अतिवृष्टि से अवस्थापना को भारी क्षति पहुँची है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ तथा रास्ते में ऊपर की और लगातार घने बादल छाये है। इस कारण रेस्क्यू कार्य में लगातार व्यवधान हो रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना द्वारा उपलब्ध कराया चिनूक हैलीकॉप्टर मौसम खराब होने के कारण, अभी तक एक भी उड़ान नहीं भर पाया है।

तमिलनाडु सरकार ने स्कूलों को 1,200 करोड़ रुपए जारी करने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने रविवार को कहा कि 'द्रविड़ मॉडल' सरकार शिक्षा को बहुत महत्व दे रही है और उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत स्कूलों को 1,200 करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया।

स्कूल शिक्षा विभाग के एक समारोह में स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु स्कूलों में गरीबों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम लागू करने में अग्रणी राज्य है।

हालांकि सरकार को आरटीई के तहत दाखिला लेने वाले छात्रों की फीस निजी स्कूलों को देनी होती है, लेकिन पिछली (अन्ना द्रमुक) सरकार के कार्यकाल के दौरान यह राशि उन्हें देरी से दी गई। उन्होंने कहा, हालांकि द्रविड़ मॉडल सरकार (द्रमुक) के सत्ता में आने के बाद (2021 में) स्कूलों को लगभग 1,200 करोड़ रुपये जारी करने के लिए सरकारी आदेश जारी किया गया और इस संबंध में काम जारी है।

उदयनिधि ने कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने उसी वर्ष आरटीई के तहत स्कूलों को फीस जारी करने का आदेश दिया और कहा कि सरकार निजी स्कूलों का भी समर्थन करती है।

मंत्री ने कहा, शिक्षकों से एक बार फिर अनुरोध है कि वे खेल और शारीरिक शिक्षा के लिए विशेष रूप से निर्धारित समय का उपयोग छात्रों को गणित और विज्ञान पढ़ाने के लिए न करें। उन्होंने कहा कि खेल और शारीरिक व्यायाम शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण हैं और जो बच्चा खेलों में अच्छा होगा उसका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और वह पढ़ाई में भी अच्छा प्रदर्शन करेगा।

ब्रिटेन में प्रवासी विरोधी दक्षिणपंथी समूहों का हिंसक प्रदर्शन, 100 व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन में प्रवासी विरोधी दक्षिणपंथी समूहों से जुड़ी हिंसक झड़प और हिंसा सप्ताहांत में जारी रही। वहीं पुलिस ने इस संबंध में कम से कम 100 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अपना पूरा समर्थन देने की पेशकश की।

शनिवार को लिवरपूल, हल, ब्रिस्टल, लीड्स, ब्लैकपूल, स्टोक-ऑन-ट्रेंट, बेलफास्ट, नॉटिंघम और मैनचेस्टर में पथराव किया, पटाखे फेंके गए, उस होटल की खिड़कियां तोड़ दी गईं जहां देश में शरण चाहने वाले ठहरे हुए थे। साथ ही दुकानों पर हमला किया गया और आग लगा दी गई। वहीं भीड़ और पुलिस के बीच कई झड़पें हुईं।

ब्रिटेन की गृह मंत्री यवेट कूपर ने भीड़ को चेतावनी दी कि वे इस तरह के आपराधिक अव्यवस्था और हिंसा की कीमत चुकाएंगे।''

शनिवार को स्टॉर्मर द्वारा बुलाई गई मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा, हमने जो अव्यवस्था देखी है, उन्हें ठीक करने के लिए प्रधानमंत्री ने कहा है कि पुलिस को हमारी ओर से पूरा समर्थन है ताकि वे हमारी सड़कों पर चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकें। ये चरमपंथी पुलिस अधिकारियों पर हमले कर रहे हैं, स्थानीय व्यवसायों को बाधित कर रहे हैं और समुदायों को डराकर नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्रिटेन में जारी अशांति गृहयुद्ध में बदल सकती है : मस्क

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिका के अरबपति उद्यमी एलन मस्क का मानना है कि ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर व्याप्त अशांति गृहयुद्ध में बदल सकती है। ब्रिटेन के साउथपोर्ट में चाकू हमले के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में शनिवार को अवैध प्रवासियों की आमद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। हमले में तीन बच्चे मारे गए थे। 'टाइम्स' अखबार ने बताया कि सप्ताहांत में कम से कम 35 विरोध प्रदर्शनों की आशंका थी। मस्क ने 'एक्स' पर ब्रिटिश शहरों में विरोध प्रदर्शनों के एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए कहा, गृहयुद्ध को टाला नहीं जा सकता।

'संकटमोचक' श्रीजेश के दमदार प्रदर्शन से भारत सेमीफाइनल में

पेरिस/भाषा। अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे पी आर श्रीजेश एक बार फिर भारतीय हॉकी की दीवार साबित हुए और 42 मिनट तक दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद भारत ने ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4 . 2 से हराकर पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

तारीफ करनी होगी भारतीय डिफेंस की जिसने 36 वर्ष के श्रीजेश की अगुवाई में ब्रिटेन के हर हमले का बचाव करते हुए उसे बढत नहीं बनाने दी। ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और महज एक कामयाबी मिली । निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने पर मुकाबला शूटआउट में गया ।

शूटआउट में भारत के लिये कप्तान हरमनप्रीत सिंह , सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने गोल दागे जबकि इंग्लैंड के जेम्स अलबेरी और जाक वालांस ही गोल कर सके ।

अदन की खाड़ी से गुजर रहे जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला

दुबई/एपी। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी से गुजर रहे एक मालवाहक जहाज पर शनिवार देर रात मिसाइल हमला कर दिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह इजराइल द्वारा हमास नेता इस्माइल हनिया को निशाना बनाए जाने के बाद समूह का संभवत: पहला हमला है। हनिया को हूती विद्रोहियों का मुख्य वित्त पोषक माना जाता था। हालांकि, हूती विद्रोहियों ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हूती विद्रोहियों ने लाल सागर गलियारे से गुजरने वाले जहाजों पर अपने हमलों में दो हफ्ते के विराम का कोई कारण नहीं बताया है। पिछले साल नवंबर में गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद भी क्षेत्र में हूती विद्रोहियों के हमले में इसी तरह का विराम देखने को मिला था। अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हमला तेहरान में इजराइल के संदिग्ध हवाई हमले में हमास नेता हनिया की मौत के बाद हुआ है।

यूक्रेनी हमले में रूसी पनडुब्बी डूबी, कई इमारतें क्षतिग्रस्त

कीव/एपी। यूक्रेन ने लंबी दूरी के हमले तेज करते हुए पिछले 24 घंटे में रूस की एक पनडुब्बी को डुबो दिया और उसकी एक हवाई पट्टी को निशाना बनाते हुए कई इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया जिससे एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रूस ने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन ने एक अपार्टमेंट इमारत पर भी हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। जुलाई के बाद से हमलों में बढ़ोतरी तब हुई है जब यूक्रेन अपने सहयोगियों पर रूसी ठिकानों पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति देने का दबाव बना रहा है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।

बांग्लादेश में हिंसक झड़पों में 80 की मौत, अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/एजेन्सी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका तथा देश के अन्य हिस्सों में रविवार को हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 80 लोग मारे गए और इसके बाद अधिकारियों ने अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है।

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार काफी संख्या में विद्यार्थियों ने शेख हसीना सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए असहयोग आंदोलन शुरू कर दिया है। बांग्लादेशी अखबार प्रोथिओम एलो की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा बलों, सत्तारूढ़ अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 14 पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 80 लोग मारे गए।

गौरतलब है कि पिछले महीने के आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान विद्यार्थियों पर हुए 'अत्याचार' को लेकर सरकार के इस्तीफे की एक सूत्री मांग के साथ भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने असहयोग आंदोलन शुरू किया है। विद्यार्थियों ने सोमवार को लंबे मार्च का आह्वान किया है।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार ने रविवार शाम छह बजे से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है। इसके साथ ही मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी लगा दी गयी है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार अगले सरकारी आदेश तक कर्फ्यू लागू रहेगा। पूरे देश में खूनी झड़पों की खबरें हैं। प्रदर्शनकारियों ने सिराजगंज के इनायतपुर थाना पर हमला किया, जिसके कारण कम से कम 13 पुलिसकर्मी मारे गए।

पुलिस मुख्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में मौतों की पुष्टि की।

उल्लेखनीय है कि ढाका विश्वविद्यालय में हिंसक झड़पों के बाद पिछले महीने बांग्लादेशी सरकार की सार्वजनिक नौकरियों के लिए आरक्षण विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी सेवा में व्यापक आरक्षण को समाप्त करने की मांग की।

'बांग्लादेश का दौरा करने से गुरेज करें भारतीय'

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने बांग्लादेश में राजनीति अशांति और हिंसा को देखते हुए भारतीय नागरिकों को फिलहाल इस पड़ोसी देश की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को यहां जारी एक बयान में यह परामर्श जारी करते हुए इस समय बांग्लादेश रह रहे भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने और बाहर आना-जाना कम करने की सलाह दी है। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश में रह रहे भारतीय नागरिकों को हमारा ढाका स्थित उच्चायुक्त के सम्पर्क में रहना चाहिए। आयोग ने उन्हें आपातकाल की स्थिति में +8801958383679, +8801958383680 और +8801937400591 पर उच्चायुक्त से समर्क करने के लिए कहा है। उल्लेखनीय है कि बंगालदेश में रविवार को हिंसक प्रदर्शनों के दौरान 14 पुलिसकर्मियों सहित 80 लोग मारे गए। वहीं सरकार ने पूरे देश में अनिश्चित काल के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दिया है और मोबाइल इंटरनेट सेवा को निलंबित कर दिया है।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में रविवार को एडवोकेट्स एसोसिएशन बेंगलूरु ने लायंस क्लब ऑफ सारक्की के साथ मिलकर हाई कोर्ट और मेयो हॉल कोर्ट में वकीलों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आर देवदास ने शिविर का उद्घाटन किया। मुख्यअतिथि के रूप में न्यायाधीश एम नागप्रसन्ना उपस्थित थे। लायंस क्लब ऑफ सारक्की के अध्यक्ष लायन पीके नवीन उपस्थित में विवेक सुब्बा रेड्डी ने समारोह की अध्यक्षता की। इस शिविर के प्रायोजक लायंस क्लब ऑफ सारक्की के सेवा गतिविधि के चेयरमैन राधेश्याम शर्मा का इस मौके पर सम्मान किया गया।

संभवनाथ मंदिर में 'महाविदेह क्षेत्र की भावयात्रा' आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट के तत्त्वावधान में संभवनाथ जैन मंदिर वीवी पुरम दादावाड़ी के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी की निश्रा में रविवार को समवसरणे विरति मले यानी महाविदेह क्षेत्र की भावयात्रा का संगीत सहित संवेदना का कार्यक्रम हुआ जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इस मौके पर शाश्वत अशाश्वत तीर्थों की यात्रा के साथ मेरु पर्वत व महाविदेह क्षेत्र में साक्षात सिमंधर स्वामी परमात्मा का समवसरण बनाया गया। कार्यक्रम का लाभ जुगराज राजेश महावीरकुमार गाँधीमुथा परिवार ने लिया। संगीत से कार्यक्रम कमलेश व उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम का संचालन विक्रम गुरुजी ने किया।

स्नात्र महोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शांतिनगर संघ के तत्वावधान में केसरसूरी समुदाय की साध्वीश्री भव्यप्रभाश्रीजी की निश्रा में शांतिनगर मंदिर में परमात्मा का स्नात्र महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें साधना से सिद्धि, भावना से भगवान तक पहुंचने का श्रेष्ठ मार्ग है परमात्मा की भक्ति विषयक भक्ति कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री की निश्रा में चौदह स्वप्न और छप्पन दिककुमारी द्वारा स्नात्र महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर टाउन हॉल पर होगा देशभक्ति गीतों का कार्यक्रम

महावीर इन्टरनेशनल बेंगलूरु आयोजित कर रहा है कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के महावीर इंटरनेशनल सेंटर बेंगलूरु शाखा द्वारा 9 अगस्त को टाउनहॉल में पैराशूट रेजिमेंट प्रशिक्षण केंद्र के वीरता पुरस्कार विजेताओं के सम्मान के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाएगा जाएगा।

इस मौके पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया है जिसमें प्रसिद्ध कवि विनीत चौहान और सुनील व्यास द्वारा कविता पाठ और संगीतकार व गायक हितेश मेहता और उनकी टीम द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। महावीर इंटरनेशनल की अध्यक्ष भारती छाजेड़ ने बताया कि यह हमारी संस्था का सौभाग्य है कि हमें सैन्य कर्मियों के सम्मान का मौका मिल रहा है। टाउन हॉल में आयोजित यह कार्यक्रम निशुल्क है। शहर को गार्डन सिटी बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण अभियान महावीर इंटरनेशनल टीम द्वारा चलाया जा रहा है। कर्नाटक के जोन चेयरमैन सुशील तलेसरा और मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया इस ओर कार्यरत है।

इस कार्यक्रम की संयोजिका नीलम ललवानी और सह संयोजक आशीष बाफना व कंचन जैन हैं। इस कार्यक्रम की तैयारियों में कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, उपाध्यक्ष मनोज बाफना, सलाहकार रमेश दक, भोजन संयोजक राजेश श्रीश्रीमाल, अभिषेक ओस्तवाल सहित अनेक सदस्य जुटे हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश : बादल फटने की घटनाओं में मृतकों की संख्या 11 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में दो और शव मिलने के साथ ही राज्य के तीन जिलों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। इकत्तीस जुलाई की रात में कुल्लू के निरमंड, सैंज और मलाणा, मंडी जिले के पधर और शिमला के रामपुर उपखंड में बादल फटने की कई घटनाओं ने भारी तबाही मचायी थी। इन घटनाओं के बाद अब भी 40 से अधिक लोग लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले में पधर के राजभान गांव से सोनम (23) और मानवी (तीन माह) के शव बरामद किये गये हैं। बचाव अभियान अब भी जारी है और लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों, ड्रोन और अन्य उपकरणों की मदद ली जा रही है। अधिकारियों के अनुसार सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), पुलिस और होमगार्ड के 410 कर्मी इस बचाव/खोज अभियान में शामिल हैं। उनके मुताबिक रामपुर उपखंड में सरपारा ग्राम पंचायत के सामेज गांव में 30 से अधिक लोग लापता हैं। बचाव अभियान में और मशीनें लगायी गयी हैं तथा बचाव अभियान जारी है। उपप्रधान (सरपारा) सी एल नेगी ने बताया कि पानी का प्रवाह घट गया है जिसके बाद अब मशीन मौके पर लाई गयी हैं एवं लापता लोगों के मिल जाने की संभावना है। राज्य सरकार ने शुक्रवार को पीड़ितों के लिए 50,000 रुपये की तत्काल राहत की घोषणा की थी और कहा था कि उन्हें अगले तीन महीनों के लिए किराए के लिए 5,000 रुपये मासिक दिए जाएंगे, साथ ही गैस, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं भी दी जाएंगी। सत्ताईस जून को मानसून के आगमन से लेकर तीन अगस्त तक हिमाचल प्रदेश को 662 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, बारिश से संबंधित घटनाओं में 79 लोगों की जान जा चुकी है।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में आध्यात्मिक अनुष्ठान का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में रवि पुष्य नक्षत्र के विशेष अवसर पर ॐ अ. भी. रा. शी. को नमः का सामूहिक जाप करके ऊर्जा संवर्धन का प्रयोग कराया गया। इस मौकेपर साध्वी उदितयशाजी ने पांचों ऋषियों के जीवन से जुड़े रोमांचक प्रसंग बताते हुए उनके तप की तालिका को प्रस्तुत किया। साध्वीश्री भव्ययशाजी ने पिरामिड कवच का निर्माण करवाया। साध्वी शिक्षाप्रभाजी एवं भव्ययशाजी ने जप की अनेक आकृतिया कराई। रविवार के अवसर पर राजस्थान के सहाड़ा के विधायक लादूलाल पितलिया, सिरियारी भिक्षु समाधि स्थल संस्थान व मानव हितकारी शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष पीयूष गोगड़ उपस्थित थे। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, ललित मांडोत,राजेंद्र बाफना, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, राणावास शिक्षण संस्थान अध्यक्ष मोहनलाल गादिया,मंत्री सुनील बाफना,शांतिलाल पितलिया, एमसी बलदोटा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। संचालन सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया ।

तीन दिवसीय नवग्रह शांति अनुष्ठान में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय जैन चेरिटेबल ट्रस्ट और कल्याण मित्र वर्षावास समिति के संयुक्त तत्वावधान में विमल वर्षावास का महत्वपूर्ण आयोजन तीन दिवसीय नवग्रह शांति अनुष्ठान रविवार को पुष्य नक्षत्र के मंगलमय योग में प्रारंभ हुआ। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में शुद्ध श्वेत वस्त्रों में सजे पुरुषों और लाल वस्त्र परिधान में महिलाओं ने चंदन-कुमकुम के भाल तिलक कर, ताम्र यंत्र, वासक्षेप, कर्पूर-बरास, मोगरे के पुष्प आदि पूजन सामग्री के साथ संकल्प पूर्वक अनुष्ठान में प्रवेश किया।

प्रवेश पत्र धारक 750 साधक इस नवग्रह शांति विधान में भाग ले रहे हैं। वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि अनुष्ठान के पहले दिन पीठिकाओं पर स्वस्तिक रचना और मंत्रोचारण पूर्वक 9 तीर्थंकरों की विशालकाय मनोहारी प्रतिमाओं और जयपुरी आर्ट में बनाये गये नवग्रहों के यंत्रों की स्थापना की गई। विमल श्रमण परिवार ने लाभार्थियों के करकमलों से मंगल कलश, अखंड ज्योत, माणिभद्र वीर, घंटाकर्ण वीर और क्षेत्रपाल देव के विधान सम्पन्न करवाये।

अशोक दांतेवाडिया ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि शहर में यह पहला और कर्नाटक में यह दूसरा बड़ा नवग्रह शांति का सामूहिक अनुष्ठान है। तीन दिन तक 9 तीर्थंकरों और नवग्रहों के छोटे व बड़े प्राचीन मंत्रों के आधार पर द्रव्यपूजन, भावपूजन, अर्घ्य अर्पण, मंत्रजाप, ग्रंथिविधान, मुद्रा विधान और आरती के साथ यह मंगलवार को संपन्न होगा। सभी साधकों को गुरुपुष्य अमृतसिद्धि योग में बनाये गये बड़े ताम्रयंत्र प्रदान किये गये हैं। सभी को अभिमंत्रित वासक्षेप अनुष्ठान के बाद दिया जायेगा।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वैदिक और जैन परंपरा में नवग्रह शांति के मंत्र और विधान प्राचीन काल से पाये जाते हैं। मुगल सम्राट् अकबर के दरबार के इतिहासकार अब्बुल फ़जल ने आईने अकबरी में इस बात का उल्लेख किया है कि मूल नक्षत्र में जन्मी अपनी बेटी के दोष निवारण के लिए उसने जैनमुनि उपाध्याय भानुचंद्र और उपाध्याय शांतिचंद्र के मार्गदर्शन में शांतिस्नात्र महाविधान करवाया था और उससे उनके जीवन की समस्याओं के समाधान हुए थे।

नजरबाद स्थित बुध्दि वीर वाटिका के विशाल साधना खंड में साधकों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने बताया कि जैन व वैदिक परंपरा के ऐसे अनेक विधि-विधान और मंत्र अनुष्ठान हैं, जो आज भी प्रभावशाली हैं और वे आधुनिक विज्ञान के संशोधन का विषय हैं। भारतीय परंपरा के ऐसे अनेक विधानों पर लोगों ने संशोधन कर थीसिस लिखे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME
AFFIDAVIT

I, Yashoda is legally Mother of No: 15789338W Rank: Nk Name : Madan D E resident of Vill/Po: Dodda Kundur, Teh: Sakleshpur, Dist: Hassan, St: Karnataka, PIN: 573137. That I have Changed my name from **Yashoda to Yashodhamma D E** That my DOB is 01 Jan 1966 vide affidavit dated 31 July 2024 before the Executive Magistrate, Sakleshpur, Hassan, Karnataka.

CHANGE OF NAME
AFFIDAVIT

I, Erresh Gowda DP is legally father of No: 15789338W Rank: Nk Name : Madan D E resident of Vill/Po: Dodda Kundur, Teh: Sakleshpur, Dist: Hassan, St: Karnataka, PIN: 573137. That I have Changed my name from **Erresh Gowda DP to Eresha Gowda** That my DOB is 14 May 1961 vide affidavit dated 31 July 2024 before the Executive Magistrate, Sakleshpur, Hassan, Karnataka.

CHANGE OF NAME
AFFIDAVIT

I, Anurag DM is legally Son of No: 15789338W Rank: Nk Name : Madan D E resident of Vill/Po: Dodda Kundur, The: Sakleshpur, Dist: Hassan, St: Karnataka, PIN: 573137. That I have Changed my initial of name from **Anurag DM to Anurag D M** That my DOB is 13 Feb 2013 vide affidavit dated 31 July 2024 before the Executive Magistrate, Sakleshpur, Hassan, Karnataka.

CHANGE OF NAME
AFFIDAVIT

I, Manasa HM is legally wedded spouse of No: 15789338W Rank: Nk Name : Madan D E resident of Vill/Po: Dodda Kundur, Teh: Sakleshpur, Dist: Hassan, St: Karnataka, PIN: 573137. That I have Changed my initial of name from **Manasa HM to Manasa H M** That my DOB is 05 May 1987 vide affidavit dated 31 July 2024 before the Executive Magistrate, Sakleshpur, Hassan, Karnataka.

जोमैटो ने मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ रु. जुटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर पर खान-पान का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने इस साल मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी की सालाना रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में प्रत्येक ऑर्डर पर मंच शुल्क लेना शुरू किया था। मंच शुल्क को जोमैटो के समायोजित राजस्व को बढ़ाने वाले तीन प्रमुख कारकों में से एक बताया गया है। कंपनी की आमदनी पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 7,792 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट में कहा गया, जीओवी (सकल ऑर्डर मूल्य) के प्रतिशत के रूप में समायोजित राजस्व में वृद्धि जारी रही, जिसका मुख्य कारण रेस्तरां कमीशन दरों में वृद्धि, विज्ञापन मौद्रिकरण में सुधार और पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से प्लेटफॉर्म (मंच) शुल्क की शुरुआत है। इसमें कहा गया है कि इन सभी कारकों ने 'गोल्ड' ऑर्डरों पर उपलब्ध मुफ्त डिलीवरी लाभ के कारण प्रति ऑर्डर ग्राहक डिलीवरी शुल्क में कमी की भरपाई कर दी। जोमैटो की रिपोर्ट के अनुसार, दिलचस्प बात यह है कि पिछले वित्त वर्ष में देर रात के अधिकांश ऑर्डर दिल्ली एनसीआर से आए थे, जबकि नाश्ते के अधिकांश ऑर्डर बेंगलूरु से आए थे। कंपनी ने पिछले अगस्त में दो रुपये प्रति ऑर्डर मंच शुल्क लेना शुरू किया था, जिसे अब प्रमुख बाजारों में धीरे-धीरे बढ़ाकर छह रुपये कर दिया गया है।

शहर में हुआ अमृतवाणी का पाठ व भजन संध्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय रामशरणम् अमृतवाणी सत्संग के तत्वावधान में राम शरणम के अमृतवाणी के संस्थापक श्री सत्यानंद बाबाजी के शिष्य प्रेमजी महाराज के शिष्य श्री बृजमोहन जी के आशीर्वाद से आज बेंगलुरु में अमृतवाणी पाठ और भजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चेन्नई से आए सुरेश शर्मा, संदीप कुमार शर्मा, भरत शर्मा ने गुरुजी का आशीर्वाद और गुरुजी बृजमोहन महाराज से राम नाम की दीक्षा ली। सबसे पहले अमृतवाणी का पाठ सामूहिक रूप से किया गया उसके बाद भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस आयोजन में मुन्नालाल चौहान व मनमोहन का सहयोग मिला। मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने यह जानकारी दी।

पैसंठिया जाप सिद्धसाधना में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी के सान्निध्य में रविवार को श्री पैसंठिया जाप सिद्ध साधना अनुष्ठान का मंगल कार्यक्रम किया गया। श्वेत वस्त्र धारण कर श्रद्धालुओं ने महामंगलकारी, कल्याणकारी पैसंठिया जाप सिद्धसाधना आयोजित किया। साध्वी श्री धर्मप्रभाजी म.सा. ने पैसंठिया जाप सिद्ध साधना अनुष्ठान के महत्व की बताते हुए इसमें भाग लेने वाले सभी श्रावक-श्राविकाओं के प्रति मंगल अनुमोदना, साधुवाद दिया। हनुमंतनगर संघ के पदाधिकारियों अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, पारसमल दुगड, हुकमीचंद बाफना, धनराज मुथा, नेमीचंद दक, संजय सिंघवी, धनपत घारीवाल आदि ने पैंसठिया जाप सिद्ध साधना के लाभार्थी परिवार महावीरचंद, विमलचंद बम्ब परिवार का सम्मान किया। धर्मसभा में होसुर से पंकज रांका, गौतमचंद रांका हंसराज लोढ़ा, आदि समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया ।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री फडणवीस राजनीतिक प्रतिशोध ले रहे हैं: देशमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख ने रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे के जरिये उन पर आरोप लगवाकर 'राजनीतिक प्रतिशोध' ले रहे हैं।

देशमुख ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस को न्यायमूर्ति चांदीवाल आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की चुनौती दी और दावा किया कि उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी गई है। राकांपा (एसपी) के नेता ने कहा, ''सेवानिवृत न्यायमूर्ति चांदीवाल ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे द्वारा मुझ पर लगाये गये आरोपों की 11 महीने तक जांच की थी और स्पष्ट रूप से कहा कि न तो मैंने और न ही मेरे निजी सहायक ने उनसे पैसे मांगे थे और न ही दिये थे।''

वाजे ने देशमुख के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप शनिवार को दोहराया था। फडणवीस ने इस आरोप की जांच का आश्वासन दिया है। परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने गृह मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस अधिकारियों से शहर के बार और रेस्टोरेंट से हर माह 100 करोड़ रुपये वसूलने को कहा था। आरोपों के मद्देनजर देशमुख ने 2021 में गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

सांसारिक व आध्यात्मिक यात्रा को सफल बनाता है भक्तामर स्तोत्र : साध्वीश्री सुधाकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्यश्री आनंदऋषिजी के 125 वें जन्मोत्सव एवं साध्वीश्री सुधाकंवरजी म.सा.के जन्मदिन पर द्वि दिवसीय गुणानुवाद पर प्रथम दिन महाचमत्कारिक भक्तामर स्तोत्र का सहजोड़े जाप का आयोजन किया।

साध्वीश्री सुधाकंवर जी म.सा.ने भक्तामर के 48 श्लोकों के हर एक श्लोक के अलग अलग प्रभाव व दुःख निवारण बताते हुए हर एक श्लोक को मन्त्रों से अभिमंत्रित करवाया। साध्वीश्री सुयशा जी ने कहा कि भक्तामर स्त्रोत ऐसा स्त्रोत है जो भक्त को अमर कर देता है। भक्तामर आदिनाथ परमात्मा की स्तुति है। परमात्मा की स्तुति करने से हमारे कर्म कलिकों का नाश होता है और आत्मा पवित्रता को प्राप्त करती है। मानतुंगाचार्य द्वारा रचित यह भक्तामर स्तोत्र भक्ति की पराकाष्ठा की रचना है। यह एक ऐसा स्त्रोत है जो हमारी सांसारिक से लेकर आध्यात्मिक यात्रा को सफलतापूर्वक परिपूर्ण करने में हमारी सहायता करता है। साध्वी श्री विजय प्रभा जी एवं साधना श्री जी द्वारा मन्त्रों का उच्चारण किया गया।

संघ अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर, पुखराज मेहता, वसंतकुमार रांका, अनिता कोठारी, सरला देवी सुराणा ने रविवार के आयोजन के सम्पूर्ण लाभार्थी सुरेशचंद लीलाबाई खाब्या परिवार का सम्मान किया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने उपस्थित रणजीतमल कानूंगा, सम्पतराज मरलेचा, शांतिलाल भंडारी, जैन कांफ्रेंस के प्रान्तीय अध्यक्ष पुखराज मेहता, अम्बेश गुरु सेवा समिति के अध्यक्ष लादुलाल ओस्तवाल, युवा अध्यक्ष हंसमुख मारु, महिला अध्यक्षा ललिता ढीलीवाल, मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ के अध्यक्ष रतन लाल सुराणा, महिला अध्यक्षा लाड़देवी बड़ौला आदि उपस्थित थे। युवा अध्यक्ष शंकरलाल दक के नेतृत्व में युवा टीम, महिला मंडल, बहू मंडल व बालिका मंडल ने व्यवस्था संभाली। संघ के सहमंत्री सुनील लोढा ने धन्यवाद दिया।

कथित एमयूडीए घोटाले के खिलाफ भाजपा-जद(एस) की पदयात्रा जारी

■ कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना ■ पदयात्रा का आज तीसरा दिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) ने कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण स्थल (एमयूडीए) आवंटन घोटाले के खिलाफ रविवार को दूसरे दिन भी बेंगलुरु से मैसूरु तक सात दिवसीय मार्च जारी रखा और कांग्रेस सरकार एवं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निशाना साधा।

विपक्षी दलों का आरोप है कि एमयूडीए ने उन लोगों को मुआवजे के तौर पर भूखंड वितरित करने में अनियमितता बरती, जिनकी ''जमीन का अधिग्रहण'' किया गया है। मुआवजे के तौर पर भूखंड प्राप्त करने वालों में सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू की गई 'मैसूरु चलो' पदयात्रा दूसरे दिन यहां बिदादी से शुरू हुई और यह 22 किलोमीटर की दूरी तय कर केंगल पहुंचेगी।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं विधायक बी. वाई. विजयेंद्र, जद (एस) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के नेता सी. नारायणस्वामी, जद (एस) नेता निखिल कुमारस्वामी, दोनों दलों के कई विधायक, नेता और कार्यकर्ता रविवार को बिड़दी से शुरू हुए मार्च में शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान भाजपा और जद(एस) के झंडे और तख्तियां लिए बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को सिद्दरामय्या और उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते देखा गया।

जिस मार्ग से मार्च गुजरा, उसके कई स्थानों पर दोनों दलों के झंडे, पताका और प्रमुख नेताओं की तस्वीरें लगाई गई थीं। शनिवार को बेंगलूरु के निकट केंगेरी से शुरू हुए इस मार्च के पहले दिन बिड़दी तक 16 किलोमीटर की दूरी तय की गई। विजयेंद्र ने मार्च से पहले सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'सत्तारूढ़ कांग्रेस, सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार विपक्ष के विरोध मार्च के बाद भयभीत हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने मीडिया में देखा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अब विपक्षी दलों से सवाल कर रहे हैं, क्योंकि हमने विरोध मार्च शुरू कर दिया है। यह शायद पहली बार है जब सत्तारूढ़ पार्टी विपक्ष से सवाल कर रही है। हम भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ तथा अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़े वर्ग, गरीब एवं वंचित लोगों के पक्ष में अपनी आवाज उठा रहे हैं।'

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस लोगों को लूट रही है। उन्होंने सिद्दरामय्या और शिवकुमार पर लूटे गए पैसे को ''गांधी परिवार'' (सोनिया गांधी, राहुल गांधी) को देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम उनसे लूट को लेकर सवाल करते हैं, लेकिन वे (सरकार) जवाब देने से भाग रहे हैं। वे आज हमसे सवाल कर रहे हैं। भाजपा-जद(एस) के मैसूरु तक पैदल मार्च के जवाब में कांग्रेस जनसभाएं कर रही है और दोनों दलों एवं केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है।

कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि जिस दिन कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई, उसने उसी दिन से अपनी ''भ्रष्टाचार की दुकान'' खोल ली। उन्होंने कांग्रेस पर राज्य के लोगों के कल्याण के लिए इस्तेमाल होने वाले पैसे को लूटने का आरोप लगाया। कुमारस्वामी ने कहा, मंत्रियों के बीच प्रतिस्पर्धा है, वे भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। हमने सरकार पर रिकॉर्ड के साथ आरोप लगाए हैं लेकिन वे बिना किसी दस्तावेज या सबूत के विपक्ष पर झूठे आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''वह 3.16 एकड़ जमीन जिसके बदले आपके (मुख्यमंत्री के) परिवार को 14 स्थल मिले, वह आपकी नहीं, बल्कि एमयूडीए की थी...सरकारी जमीन के लिए झूठे दस्तावेज बनाकर आपने 14 स्थल अपनी पत्नी के नाम करा लिए।'' शिवकुमार ने शुक्रवार को विपक्ष के विरोध का जवाब देते हुए कुमारस्वामी और उनके परिवार की अचल संपत्तियों को लेकर निशाना साधा था और उन्हें इस बारे में स्पष्टीकरण देने की चुनौती दी थी।

इसके जवाब में कुमारस्वामी ने शिवकुमार की नैतिकता पर सवाल उठाते हुए कहा, उपमुख्यमंत्री ने मेरी संपत्ति पर सवाल उठाया है। यह उतनी ही है जितनी 15 साल पहले थी। मैंने पंद्रह साल पहले फिल्म वितरक के रूप में कमाए गए पैसों से केथिगानाहल्ली में 45 एकड़ जमीन खरीदी थी। यह मेरे राजनीति में आने से पहले की बात है। उन्होंने शिवकुमार पर शांतिनगर हाउसिंग सोसाइटी' घोटाले में कथित अनियमितताओं में शामिल होने तथा कई निर्दोष लोगों की जमीन जबरन हड़पने का आरोप लगाया।

कुमारस्वामी ने कहा कि अगर उन्होंने (कुमारस्वामी ने) कोई गलत काम किया होता तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें केंद्रीय मंत्री के रूप में जिम्मेदारी नहीं दी होती। ऐसा आरोप है कि पार्वती को मैसूरु के 'एक पॉश' इलाके में मुआवजे के तौर पर ऐसा भूखंड आवंटित किया गया, जिसका मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था, जिसका एमयूडीए ने ''अधिग्रहण'' किया था।

एमयूडीए ने पार्वती को उनकी तीन एकड़ से अधिक क्षेत्रफल की जमीन के बदले में 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। इस विवादास्पद योजना के तहत अधिग्रहीत अविकसित भूमि के बदले में भूमि देने वाले को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित करने की परिकल्पना की गई है।

जेडीएस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, भाजपा के प्रदेश महासचिव सुनील कुमार, सतीश रेड्डी, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, जेडीएस विधायक दल के नेता सीबी सुरेश बाबू, विधायक मंजूनाथ कृष्णप्पा, पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु, गोपालया, नेता महेश, भाजपा और जेडीएस पार्टियों के सांसद, विधायक, नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता वहां मौजूद थे।

कर्नाटक में भाजपा-जद(एस) की गठबंधन सरकार की वापसी पर काम करेंगे : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि वह राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की राज्य में वापसी के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करेंगे। जद(एस) के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के साथ दोबारा हाथ मिलने का सवाल ही नहीं उठता।

जद(एस) 'जूनियर पार्टनर' होने के बावूद दोनों राष्ट्रीय दलों के साथ गठबंधन करके दो बार राज्य की सत्ता में रह चुका है। जद(एस) ने भाजपा के सहयोग से फरवरी 2006 से 20 महीने तक शासन किया और मई, 2018 से 14 महीने तक कांग्रेस के समर्थन से शासन किया। कुमारस्वामी दोनों ही बार मुख्यमंत्री थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जद(एस) ने भाजपा से हाथ मिला लिया और राजग का हिस्सा बन गया।

कुमारस्वामी ने कहा, ''मैं भाजपा और जद (एस) कार्यकर्ताओं को एक साथ काम करने की अपील करता हूं। मुख्यमंत्री कौन बनना चाहिए, यह मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं है। आपके आशीर्वाद से मैं दो बार राज्य का मुख्यमंत्री रहा हूं। राज्य और इसके लोगों का कल्याण और विकास मेरे लिए महत्वपूर्ण है।''

'मुडा घोटाले' के खिलाफ बेंगलूरु से मैसूरु तक एक सप्ताह तक चलने वाले विरोध मार्च के दूसरे दिन से पहले भाजपा और जद (एस) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं भाजपा-जद(एस) गठबंधन सरकार को वापस लाने के लक्ष्य से आने वाले दिनों में आपके लिए काम करूंगा।''

वनों और पश्चिमी घाटों में अतिक्रमण, अवैध रिसॉर्ट को हटाने के लिए कार्य बल का गठन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार ने पश्चिमी घाट समेत राज्य के पूरे घाट क्षेत्र में अवैध रिसॉर्ट', होम स्टे' और वन क्षेत्र में सभी अतिक्रमणों को हटाने के लिए कार्य बल का गठन किया है। राज्य के वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने रविवार को यह जानकारी दी। पश्चिमी घाट के अंतर्गत 10 जिले आते हैं।

मंत्री ने एक बयान में कहा कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख के नेतृत्व में यह कार्य बल गठित किया गया है जो पश्चिमी घाट और अन्य घाट क्षेत्रों में वन अतिक्रमण हटाने का अभियान सोमवार से ही शुरू कर देगा।

खांड्रे ने शुक्रवार को वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पश्चिमी घाट क्षेत्र में 2015 के बाद हुए सभी वन अतिक्रमणों को हटाने के आदेश जारी करने और एक महीने के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

खांड्रे ने पड़ोसी राज्य केरल के वायनाड और उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर में भूस्खलन के कारण हुई भयानक त्रासदियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि हजारों वर्षों से मौजूद पहाड़ियां गायब हो गई हैं तथा शिराडी घाट, चारमाडी घाट सहित राज्य के पश्चिमी घाट क्षेत्र में लगातार भूस्खलन हो रहा है। उन्होंने कहा, ''अगर हम अभी नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी।''

मंत्री ने कहा कि उन सभी मामलों में अभियान चलाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं जहां 2015 के बाद घाट क्षेत्रों के वनों में अतिक्रमण के संबंध में 64ए (कर्नाटक वन अधिनियम) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

सवारी डिब्बा कारखाना, अस्पताल
अधिसूचना

नं.एमडी/आईसीएफ/केस टू केस दिनांक 01 08-2024

केस टू केस आधार पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति

आईसीएफ अस्पताल, चेन्नई - 600 038 में केस टू केस आधार पर निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.सं.	विशेषज्ञता	विशेष रुचि का क्षेत्र/उप विशेषज्ञता
1.	गाइनकोलॉजी	गाइनकोलॉजिस्ट
2.	कार्डियोलॉजी	कार्डियोलॉजिस्ट
3.	एन्डोक्राइनोलॉजी	एन्डोक्राइनोलॉजिस्ट
4.	रूमेटोलॉजी	रूमेटोलॉजिस्ट
5.	डर्मटोलॉजी	डर्मटोलॉजिस्ट
6.	गैस्ट्रोएंटरोलॉजी	मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट
7.	नेफ्रोलॉजी	नेफ्रोलॉजिस्ट
8.	ओन्को सर्जन	ओन्को सर्जन
9.	पीडीऐट्रिक डेंटिस्ट	पीडोडॉटिस्ट
10.	ईएनटी	ईएनटी सर्जन
11.	एनस्थीशिया	एनस्थीटिस्ट
12.	रेडियोलॉजी	अल्ट्रा साउंड स्कैनिंग के लिए रेडियोलॉजिस्ट
13.	साइकेट्री	साइकेट्रिस्ट
14.	जेरीऐट्रिक्स	जेरीऐट्रीशियन
15.	आफ्थल्मोलॉजी	आफ्थल्मोलॉजिस्ट
16.	वैस्क्युलर सर्जरी	वैस्क्युलर सर्जन
17.	प्लास्टिक सर्जरी	प्लास्टिक सर्जन
18.	यूरोलॉजी	यूरोलॉजिस्ट
19.	ओर्थोपेडिक्स	ओर्थोपेडीशियन
20.	यूरो गाइनकोलॉजी	यूरो गाइनकोलॉजिस्ट
21.	सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी	सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट

आवेदन पत्र ए4 आकार के कागज पर निर्धारित प्रारूप में भरे जाने चाहिएं तथा सभी अपेक्षित संलग्नकों के साथ भेजने चाहिएं।

विज्ञापन का विवरण, आवेदन पत्र और अन्य विवरण सवारी डिब्बा कारखाना की वेबसाइट के लिंक - https://icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध हैं।

आवेदन पत्र वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं या पीसीएमओ कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र को विधिवत रूप से भरकर हस्ताक्षरित करके सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्वयं सत्यापित प्रतियों के साथ प्रधान चिकित्सा अधिकारी, आईसीएफ अस्पताल, चेन्नई - 600 038 के कार्यालय में **26 अगस्त, 2024** तक या उससे पहले जमा कराना होगा।

प्रधान चिकित्सा अधिकारी,
आईसीएफ अस्पताल / चेन्नई - 600 038

संपर्क नं.044-26146640, 26146633

कांग्रेस ने राजभवन का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया है : बोम्मई

कांग्रेस ने विधायकों को तबादलों से पैसा कमाने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस पर राजभवन का सबसे अधिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि यह पार्टी देश भर में सरकारों को गिराने के लिए 56 से अधिक बार राजभवन का दुरुपयोग करने के लिए जिम्मेदार है।

कांग्रेस के इस आरोप का जवाब देते हुए कि राज्य और केंद्र स्तर पर भाजपा के नेता राजभवन के माध्यम से राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं, उन्होंने रविवार को यहां कहा कि कुख्यात और विवादास्पद राज्यपाल हंसराज भारद्वाज, जिनके पास वरिष्ठ नेता बीएस येडीयुरप्पा के खिलाफ कोई मामला नहीं था, वे राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे थे, ने उन पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। अब वह मामला खारिज हो चुका है। क्या कांग्रेस इस मामले के लिए माफी मांगेगी। दरअसल, कांग्रेस को राजभवन का सबसे ज्यादा दुरुपयोग करने का गौरव प्राप्त है और उसने केरल समेत कई राज्यों में सरकारें गिराई हैं। राजभवन का 56 से अधिक बार दुरुपयोग करके कांग्रेस ने उन्हें क्या सिखाया? पिछली सरकार के घोटालों को उजागर करने के कांग्रेस के दावों के बारे में बोम्मई ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा, अब उनकी सरकार है। वे जो भी जांच कराना चाहें, करा लें।

बेंगलूरु में रविवार को आरटीनगर स्थित आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का सम्मान किया गया। एससी समुदायों को आंतरिक आरक्षण देने पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के संदर्भ में, पिछली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में बसवराज बोम्मई ने केंद्र सरकार से एससी समुदायों को आंतरिक आरक्षण देने की सिफारिश की थी। इस मौके पर सांसद गोविन्द कारजोल के नेतृत्व में एससी समुदाय के नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री ए. नारायण स्वामी सहित अनेक नेता उपस्थित थे।

जब उनका ध्यान एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर की रहस्यमय मौत की ओर दिलाया गया तो पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि इस सरकार के सत्ता में आने के पहले दिन से ही तबादला रैकेट शुरू हो गया। उन्होंने सरकार पर विकास के लिए एक भी पैसा न देने का आरोप लगाया और दावा किया कि सभी विधायक इसमें शामिल हैं। मुख्यमंत्री और कांग्रेस के अन्य नेताओं ने विधायकों को तबादलों से पैसे कमाने का निर्देश दिया है। मौजूदा सरकार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया है और उसी के तहत तबादले किए जा रहे हैं। रिश्वत की अत्यधिक मांग के कारण सरकारी कर्मचारी दबाव में हैं। केवल वे ही नहीं जो मर चुके हैं, बल्कि बहुत से लोग अत्यधिक दबाव में हैं। वे रिश्वत देने में असमर्थ हैं। जो देते भी हैं, वे भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। ऐसे मौतें इसलिए होती हैं क्योंकि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे तक व्यवस्थित हो गया है।

हरी झंडी

बेंगलूरु स्थित बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से रविवार को केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री ने यादगीर रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव के साथ ट्रेन संख्या 22232 एसएमवीटी बेंगलूरु-कलबुर्गी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन; अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, आशुतोष माथुर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसके साथ ही यादगीर रेलवे स्टेशन पर एक क्षेत्रीय समारोह आयोजित किया गया, जिसमें गुरमितकल के विधायक शरणगौड़ा कंडकुर; एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयलु; गुंतकल डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक एम. विजय कुमार और अन्य रेलवे अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मेट्रो स्टेशन

नई दिल्ली में रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। देवेगौड़ा ने सुबह 11:30 बजे लोक कल्याण मेट्रो स्टेशन से मेट्रो में सवार हुए। इस अवसर पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के पीआरओ, इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक मनुज सिंघल, पूर्व प्रधानमंत्री की बेटी अनसुया मंजूनाथ और पुत्रवधू सौम्या गौड़ा भी मौजूद थीं।

पावरग्रिड कोप्पल गडग ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
(भारत सरकार का उद्यम)
कोप्पल कंस्ट्रक्शन एरिया ऑफिस, पावरग्रिड 400kV मुनीराबाद सबस्टेशन
गुलदाहल्ली पोस्ट, कोप्पल जिला, कर्नाटक-583228

सार्वजनिक सूचना

जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि मैसर्स पावरग्रिड कोप्पल गडग ट्रांसमिशन लिमिटेड (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9 कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, हौज खास, नई दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली-110016 में है, कोप्पल जिले के येलबर्गा तालुक के लक्मनगुले गांव में अपने संबंधित भूस्वामियों से नीचे दी गई अनुसूची में अधिक स्पष्ट रूप से वर्णित संपत्तियों को खरीदने की इच्छुक है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों, वित्तीय संस्थानों, बैंक/बैंकों, तृतीय पक्ष/पक्षों, आम जनता या कॉर्पोरेट निकाय का यहां दी गई अनुसूची संपत्ति पर किसी भी तरह से कोई दावा, हित या भार आदि है, तो उनसे अनुरोध है कि वे अपने दावे या आपत्तियां, यदि कोई हों, तो उनके समर्थन में दस्तावेजों के साथ इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से चौदह (14) दिनों के भीतर व्यक्तिगत रूप से अधोअहस्ताक्षरी के पास दर्ज कराएं। यदि उक्त अवधि के दौरान कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि अनुसूचित संपत्ति का हस्तांतरण पावरग्रिड कोप्पल गडग ट्रांसमिशन लिमिटेड के पक्ष में किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है।

अनुसूची - फेज ए

क्र.सं.	सर्वे नं.	भूमि के स्वामी का नाम	आरटीसी सीमा		बिक्री हेतु भूमि की सीमा	
			एकड़	गुंटास	एकड़	गुंटास
1	79/*/*	यमनव्वा शिवप्पा शिवापोजी	19	8	01	00
2	79/*/*	मल्लप्पा निंगप्पा शंकरी			02	00
3	84/2	अनासव्वा यमनप्पा	2	1	2	01
4	84/3	गविशिद्दप्पा पुत्र सन्ना वेरप्पा वडनला	2	0	2	00
5	84/4	मुत्तप्पा पुत्र वेरप्पा द्वारा सन्ना इराप्पा वडनला	1	38	1	38
6	85/2	वेरुपक्षप्पा पुत्र सन्ना वेरप्पा और इराप्पा वडनला	2	18	2	18
7	96/3	रतनम्मा संगप्पा कोटी	3	38	3	38

अनुसूची - फेज बी

क्र.सं.	सर्वे नं.	भूमि के स्वामी का नाम	आरटीसी सीमा		बिक्री हेतु भूमि की सीमा	
			एकड़	गुंटास	एकड़	गुंटास
1	79/*/*	यमनव्वा शिवप्पा शिवापोजी	19	8	01	29

मुकुंद शरद हेजिब,
परियोजना प्रभारी

युवा ऊंची उड़ान से अपने सपनों को करें पूरा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को सुशासन की नई उड़ान देकर तरक्की की ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। विकसित राजस्थान की यात्रा में विमानन क्षेत्र अहम पड़ाव है, इसलिए सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि किशनगढ़ एयरपोर्ट की जमीन सहित अन्य सभी आवश्यकताओं के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। इससे यहां विमानन क्षेत्र का विकास होगा और दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केन्द्र किशनगढ़ में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। शर्मा ने रविवार को किशनगढ़ एयरपोर्ट पर अव्याना एविएशन एकेडमी के फ्लाइट स्कूल का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा विमान को उड़ान के लिए झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह फ्लाइट स्कूल राज्य का पहला उड़ान प्रशिक्षण केन्द्र है। यह युवाओं को कॅरियर में नए अवसर उपलब्ध कराकर उनके सपनों को हकीकत में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शर्मा ने कहा कि युवा अपने कर्म और बुद्धि कौशल से अपने सपनों को पूरा करें तथा परिवार के साथ देश-प्रदेश के लिए गर्व का विषय बनें।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री ने हर क्षेत्र में देश को तरक्की की नई ऊचांईयों तक पहुंचाने के साथ ही सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी रहते हुए देशवासियों को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के संकल्प के साथ देश में महिला लिंगानुपात को सुधारने में अहम भूमिका निभाई। अब प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। जिसमें हम सबको अपनी भागीदारी निभानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की प्रगतिशील नीतियों की वजह से विमानन क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश भर में 21 ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों को मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के नवाचारों से ही भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना का अब तक 1.41 करोड़ से अधिक घरेलू यात्री लाभ उठा चुके है। भारतीय हवाई अड्डों पर कुल हवाई यात्रियों की संख्या हर साल 15 फीसदी तक बढ़ रही है और यह सालाना 37 करोड़ 6 लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई यात्रियों की संख्या तो 22 प्रतिशत की दर से बढ़कर 7 करोड़ हो चुकी है। भारतीय हवाई अड्डों पर एयर कार्गो भी 7 फीसदी की दर से बढ़ा है और यह 33 लाख 7 हजार टन हो गया है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वर्तमान में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। भारत सरकार 'उड़ान' योजना के माध्यम से विमानन क्षेत्र को समावेशिता प्रदान कर रही है। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि अजमेर की धरती देवताओं की धरती है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान पर विशेष ध्यान दिया है और वे राज्य के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री के समारोह स्थल पर पहुंचने पर अव्याना एविएशन एकेडमी के डायरेक्टर शार्दुल सेठ ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर स्वागत किया तथा विमान का मॉडल भेंट किया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री गौतम कुमार दक, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक श्रीमती अनीता भदेल, रामस्वरूप लांबा, वीरेन्द्र सिंह कानावत, विकास चौधरी, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय एवं नागरिक उड्डयन शिखर अग्रवाल, संभागीय आयुक्त अजमेर महेश चंद्र शर्मा, किशनगढ़ एयरपोर्ट डायरेक्टर बी.एल. मीणा, उद्योगपति अशोक पाटनी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में कांवड़िये की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के जेएलएन मार्ग पर रविवार तड़के एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) कार की टक्कर से 24 वर्षीय एक कांवड़िये की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार युवक को करीब 50 मीटर तक घसीटती हुई ले गई। युवक गलताजी से जल भरकर चाकसू जा रहा था।

उन्होंने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब चाकसू के शीतला माता निवासी सूरज शर्मा कांवड़ में जल भरकर गलताजी तीर्थ से लौट रहे थे। जेएलएन मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी।

पुलिस के मुताबिक गंभीर रूप से घायल सूरज को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक शनिवार रात 60 लोगों के समूह के साथ गलताजी तीर्थ के लिये गया था और रविवार सुबह वापस लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि एसयूवी की तलाश की जा रही है और घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।

मृतक युवक यहां सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक ज्वैलरी कंपनी में काम करता था। पिछले तीन वर्षों से वह हर साल पूजा-अर्चना के बाद गलताजी से जल लाने के लिए नियमित रूप से चाकसू से कांवड़ लेकर जाता था।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कार और ट्रक की भिडंत में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले के सूरवाल थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक कार के ट्रक से टकरा जाने के कारण उसमें सवार भाई-बहन सहित चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर त्रिलोकपुरा गांव के पास हुए इस भीषण हादसे में कार में सवार राजन (22), उसकी बहन मोनिका (24), रेखा (42) और धापू देवी (65) की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, कार में सवार सभी लोग मध्य प्रदेश के विक्रमगढ़ के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अधिकारी के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक चालक को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बोर्ड में टॉपर्स छात्रों को कराई हवाई यात्रा

बारां/दक्षिण भारत । राजस्थान के बारां जिले के अंता तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालाखेडा के अध्यापकों ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। स्कूल के अध्यापकों ने मिलकर 10वीं एवं 12वीं बोर्ड में टॉपर्स रहें छात्र छात्राओं को पढ़ाई के प्रति और आकर्षित करने के लिए स्कूल में टॉपर्स रहें बच्चों को अपने ही जेब खर्च से हवाई जहाज से जयपुर से नई दिल्ली की यात्रा करवाई। खास बात यह रही कि बच्चों के परिजनों की सहमति से यह यात्रा संभव हुई। दिल्ली यात्रा के दौरान टापर्स बच्चों को जतंर मंतर, समाधि स्थल, इण्डिया गेट आदि स्थानों को दिखाया।

वरिष्ठ अध्यापक अनिरूद्ध सिंह ने कहा,मैं आर्मी से रिटायर्ड हूँ। मैने बच्चों का शिक्षा के प्रति उत्साह बढाने के लिए कक्षा 12वीं बोर्ड में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा पायल रैगर को स्वंय के खर्च पर हवाई यात्रा करवाई है। पायल रैगर के अलावा तीन बच्चो गुलशन रैगर, टीना रैगर, दिव्या वैष्णव की हवाई यात्रा का पचास प्रतिशत खर्च स्कूल के अध्यापकगण बहादुर सिंह, मंजू मालव, शशी मालव द्वारा वहन किया गया। बालिका पायल रैगर ने बताया की उसने सोचा नही था कि उसे हवाई जहाज में बैठने का मौका मिलेगा। यही सब उसके शिक्षको की पहल से संभव हो सका। पायल इस यात्रा से बहुत खुश नजर आई।

गर्भवती महिला को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में 14 दोषियों को सात साल की कैद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत ने पिछले साल सितंबर में धारियावाड़ में 20 वर्षीय गर्भवती महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में उसके पति सहित 14 पुरुषों को शनिवार को सात साल की कैद की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि धारियावाड़ कांड मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ किए गए अपराध के समान ही एक जघन्य अपराध था। जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में पिछले साल दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और भीड़ द्वारा उनके साथ यौन दुर्व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया था।

विशेष लोक अभियोजक मनीष नागर ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रामकन्या सोनी ने धारियावाड़ कांड में दोषी पाई गई तीन महिलाओं को पांच साल की जेल की सजा सुनाई। न्यायमूर्ति सोनी ने कहा, देश में महिलाओं को लक्ष्मी की तरह पूजा जाता है। प्राचीन शास्त्रों में भी महिलाओं के सम्मान का उल्लेख है, लेकिन कलयुग में उनके खिलाफ हिंसा और अत्याचार जारी है। उन्होंने कहा, यह आरोपी द्वारा महिला के खिलाफ किया गया एक गंभीर अपराध था। इसी तरह का जघन्य अपराध मणिपुर में भी हुआ था। ऐसे अपराध महिलाओं को भावनात्मक रूप से आहत करते हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है, तभी अपराध कम होंगे।

विशेष लोक अभियोजक नागर ने बताया कि अदाल ने पीड़िता के पति कान्हा मीणा के अलावा खेतिया मीणा, मोतिया उर्फ मोतीलाल मीणा, पुनिया मीणा, केसरा उर्फ केसरीमल मीणा, सूरज मीणा, पिंटू मीणा, नाथूलाल मीणा, मानाराम उर्फ वेणिया मीणा, नेतिया मीणा, रूपा मीणा, गौतम मीणा, रामलाल मीणाा, रमेश मीणा को सात-सात साल कैद, जबकि तीन महिला दोषियों-इंद्रा मीणा, मिरकी मीणा और झुमली मीणा को पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। पिछले साल सितंबर में एक गर्भवती महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का वीडियो सामने आया था। यह घटना 31 अगस्त को धारियावाड़ के निचलाकोटा गांव में हुई थी, जब आरोपियों ने पीड़िता को उस व्यक्ति के घर पर पाया, जिसके साथ उसके अवैध संबंध होने का संदेह था। सात महीने की गर्भवती महिला को उसके पिता के घर छोड़ दिया गया। इसके बाद पीड़िता ने अपनी मां के साथ पुलिस से संपर्क किया और पति समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 509, 354 ए और 354 बी, 323, 342, 294, 36, 341, 504, 506, 120 बी, महिलाओं के अश्लील चित्रण निषेध अधिनियम की धारा 4/6 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 (इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री प्रकाशित करने की सजा) के तहत मामला दर्ज किया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पीड़िता से मुलाकात की थी और उसे 10 लाख रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। घटना की जांच के लिए राज्य पुलिस ने पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

देवनानी ने अजमेर अस्पताल में किया स्पीकर हैल्प डेस्क का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को यहां अजमेर संभाग के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में स्पीकर हैल्प डेस्क का शुभारंभ किया। इससे अब इस अस्पताल में डॉक्टरों की जानकारी के लिए मरीज एवं परिजनों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा और विधानसभा अध्यक्ष हैल्प डेस्क पर मरीजों को एक ही जगह समस्त जानकारी मिल जाएगी। आपातकालीन इकाई के पास इस हैल्प डेस्क की स्थापना की गई है। देवनानी ने कहा कि लम्बे समय से अस्पताल में यह जानकारी मिल रही थी कि सही जानकारी के अभाव में मरीज एवं उनके परिजनों को यहां-वहां भटकना पड़ता है। उन्हें बीमारी बताने के बाद भी सही डॉक्टर, विभाग, कमरा नम्बर, दवा केन्द्र, जांच केन्द्र, ऑपरेशन थियेटर, ओपीडी व इंडोर पेशेंट से संबंधित जानकारी नहीं मिल पाती है। उनका काफी समय खराब हो जाता है।

उन्होंने बताया कि मरीज एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए अस्पताल की आपातकालीन इकाई के पास अधीक्षक कक्ष से पहले हैल्प डेस्क की स्थापना की गई है। यहां 24 घण्टे तीन पारियों में स्टाफ तैनात रहेगा। कोई भी मरीज या उनका परिजन आकर यहां चिकित्सा से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी ले सकता है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविन्द खरे एवं अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

सभी वर्गों के उत्थान से साकार हो सकता है विकसित राजस्थान का सपना : भजनलाल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि समाज के सभी वर्गों के उत्थान से ही विकसित राजस्थान का सपना साकार हो सकता है। इसलिए राज्य सरकार ने राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 में उनके सुझावों को शामिल करते हुए प्रावधान किए हैं। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और उनके परिवार के हितों के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। कर्मचारी हमारे समाज के गौरव हैं, जो अपने जीवन का अधिकांश समय राज्य की सेवा में समर्पित करते हैं। कर्मचारी अपनी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स अपने परिवारों के साथ समाज के लिए भी प्रेरणा स्रोत हैं। पेंशनर्स का अनुभव और ज्ञान राज्य के विकास के लिए अमूल्य संपत्ति है।

राज्य सरकार ने इस बजट में कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के कल्याण के लिए वेतन विसंगति संबंधी सुधार, अधिकतम ग्रेच्युटी राशि में वृद्धि, पेंशन वृद्धि, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनसे कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 75 वर्ष से अधिक आयु पर बढ़ी हुई दर से पेंशन की सुविधा प्राप्त है।

मरू प्रदेश को हरित प्रदेश बनाएंगे : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हरियाली तीज के पवित्र अवसर पर 7 अगस्त पर माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस दिन प्रदेशवासियों द्वारा एक साथ एक ही समय में करोड़ों पौधे लगाये जायेगें जो अपने आप में एक कीर्तिमान होगा। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से 7 अगस्त को हरियाली तीज के अवसर पर हम सब राजस्थान वासी एक साथ एक पेड़ मां के नाम का पौधा लगायेंगे और उसकी सार संभालकर पूर्ण वृक्ष बनायेंगे ताकि तपती धरती को इस भीषण गर्मी और निरतंर बढते तापमान से राहत दिलाई जा सके।

दिलावर ने बताया कि इसके लिये व्यापक तैयारियां की गई है। विद्यालयों में वृक्षारोपण की गतिविधि के लिए यूथ एण्ड ईको क्लब के माध्यम से 37 करोड़ रूपये का बजट आवंटित किया गया है। विगत तीन महीनों से लगातार प्रदेश का सघन दौरा कर प्रदेश की जनता को वृक्षारोपण की मुहिम से जोड़ने का प्रयास किया गया है। कोटा, जोधपुर, जालौर, सिरोही, उदयपुर, पाली, नागौर, जयपुर, नीमकाथाना, झुंझुंनू, धौलपुर, भरतपुर, अलवर, टोंक, बांरा, झालावाड़ आदि जिलों का दौरा कर 200 से अधिक बैठकें समाज के सभी वर्गो के साथ की हैं। शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग द्वारा तय किया गया है कि सरकारी व निजी विद्यालयों सहित विभाग के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी तथा सभी पौधारोपण करेंगें।

पौधारोपण अधिक से अधिक संख्या में हो इसके लिए लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। सरकारी एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 1 से कक्षा 12 तक सभी विधार्थी उतने पौधे लगायेंगे जितने उनके परिवार में सदस्य हैं। औसतन कम से कम 5 पौधें प्रत्येक विधार्थी को लगाना होगा। तृतीय श्रेणी के अध्यापक कम से कम 5 पौधें द्वितीय श्रेणी के अध्यापक 10 पौधे तथा प्रथम श्रेणी (व्याख्याता) कम से कम 15 पौधे लगायेगें। पौधे लगाने के बाद सभी को पौधों की फोटो जियोटेगिंग के साथ एप पर अपलोड करनी है। सभी पौधों की ऑनलाईन एप के माध्यम से सघन मॉनिटरिंग की जायेगी।

सरकार ने सघन वृक्षारोपण को देखते हुए प्रत्येक राजकीय कार्यालय परिसर, खेल मैदान में पौधारोपण करने के निर्देश दिये है। राजकीय विद्यालयों, निजी विद्यालय परिसरों के साथ-साथ चारागाह, राजकीय भूमि, निजी खातेदारी भूमि तथा सड़क किनारे व गांव के सार्वजनिक स्थलो पर पौधारोपण किया जा सकता है।

कार्यक्रम हेतु आवश्यक तैयारियों यथा गड्ढे खोदना पौधे उपलब्ध करवाने आदि की समुचित व्यवस्थाएं तत्काल करने के निर्देश दिये गये है। लगाये गये पौधों की आगामी चार वर्ष तक समुचित देखभाल की जानी है। इस हेतु पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं यथा फैंसिंग, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

कार्यक्रम की सफलता हेतु समाज के विभिन्न वर्गो को वृक्ष लगानें का लक्ष्य दिया गया है। मोटरसाईकिल धारक 5 पौधे, कार धारक 10 पौधे, ट्रेक्टर धारक 15 पौधे, ट्रक/बस धारक 20 पौधे लगायेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी 5 पौधें, स्वच्छ भारत मिशन के लाभार्थी 5 पौधे, वन अधिकार योजना के लाभार्थी 5 पौधे, राशन प्राप्त करनें वाले 10 पौधे, जिनके घर में एसी लगे है वह परिवार 50 पौधे, किसान को उतने पौधे जितनी जमीन उनके खातेदारी में दर्ज है। पेट्रोल पम्प मालिक 300 पौधे, गैंस एजेन्सी मालिक 300 पौधे, औद्योगिक इकाई उतने पौधे जितने उनके यहां कर्मचारी काम करते हैं तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि लाभार्थी 25 पौधे लगायेगें।

प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त राज्य की संकल्पना को साकार करने में महिलाओं एवं युवाओं की भूमिका : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 4 अगस्त। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा राज्य को प्रतिबंधित प्लास्टिक से मुक्त करने को लेकर राज्य व्यापी स्तर पर चलायी जा रही मुहिम के तहत मंडल अधिकारियों द्वारा न केवल घरों, दुकानों एवं व्यापारिक संस्थानों पर जाकर कपड़े के थैले वितरित किये जा रहे है बल्कि सामाजिक कार्यक्रमों में जाकर भी जन जागरूकता के तहत कपड़े के थैले वितरित कर प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलवाई जा रही है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने कहा कि राज्य लगातार प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त राज्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर इस संकल्पना को साकार करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को एक नई दिशा देने में एवं समाज के विकास में महिलाओं का योगदान अहम है क्योंकि महिलाएं परिवार में मुखिया के रूप में होती है और परिवार की सदस्यों की आदतों को तय करने एवं बदलने में महिलाओं की भूमिका अहम रहती है ऐसे में प्रतिबंधित प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग एवं घर में प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगाकर वे न केवल पर्यावरण संरक्षण में अहम योगदान दे सकती है बल्कि राज्य को प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त राज्य बनाने की दिशा में भी अहम भूमिका अदा कर सकती है ऐसे में समाज के अन्य वर्गों के साथ महिलाओं को प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया जा रहा है साथ ही उन्हें कपडे के थैले वितरित कर प्रतिबंधित प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग नहीं करने के लिए शपथ भी दिलवाई जा रही है। मंडल की इस मुहीम के तहत एमएनआईटी से सम्बंधित महिलाओं ने हरियाली तीज का त्यौहार मनाया इस अवसर पर उन्होंने न केवल पेड़ पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया बल्कि प्रतिबंधित प्लास्टिक काउपयोग नहीं करने की शपथ भी ली। इस अवसर पर अधीक्षण वैज्ञानिक अधिकारी श्रीमती जयकाला की अध्यक्षता में कपड़े के थैले वितरित किये गये साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले अल्प एवं दीर्घकालिक नुकसानों के प्रति जागरूक किया गया।

सरकार आम जनता की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार आम जनता की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसकी हर शिकायत की सुनवाई जरूर होगी।

राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, योगी ने रविवार सुबह गोरक्षनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं समेत लगभग 400 लोगों की समस्याओं को सुना और उन्हें उनके समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। बारिश की आशंका के कारण मंदिर परिसर के भीतर महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में जनता दर्शन का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री ने लिखित शिकायतों को मौजूद अधिकारियों को सौंप दिया और उन्हें प्रत्येक समस्या को तुरंत, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक ढंग से हल करने का निर्देश दिया। योगी ने विशेष रूप से भूमि अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया और उन मामलों की जांच करने का आह्वान किया, जिनमें पीड़ितों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने जवाबदेही तय करने की जरूरत पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे इस बात की जांच करें कि कुछ पीड़ितों को प्रशासनिक सहायता क्यों नहीं मिली है और प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को तत्काल सहायता सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन के दौरान कई लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगी, जिस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि धन की कमी उनके इलाज में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल में इलाज पर होने वाले खर्च का आकलन करने की प्रक्रिया में तेजी लाने और इसे शीघ्र शासन के सामने पेश करने का निर्देश दिया। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दी जाएगी। योगी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सभी पात्र व्यक्तियों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए आयुष्मान कार्ड जारी किए जाएं। कार्यक्रम के दौरान कई बच्चे अपनी माताओं के साथ आए थे। योगी ने उन्हें आशीर्वाद दिया, उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली, उन्हें चॉकलेट भेंट की और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

पटना में किसी भी इमारत के बेसमेंट में चलने वाले कोचिंग संस्थान को सील कर दिया जाएगा : सिंह

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में जिला प्रशासन ने रविवार को कहा कि 'जिले में किसी भी इमारत के बेसमेंट में चलने वाले कोचिंग सेंटर को तुरंत सील कर दिया जाएगा।

दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण सिविल सेवा परीक्षा के तीन उम्मीदवारों की मौत के बाद से पटना शहर में जिला प्रशासन द्वारा कोचिंग संस्थानों के शुरू किये गए निरीक्षण अभियान के बीच पटना के जिलाधिकारी (डीएम) चंद्रशेखर सिंह ने यह भी कहा कि अभी तक यहां कोई भी कोचिंग सेंटर बेसमेंट से चलता हुआ नहीं पाया गया है।

जिलाधिकारी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जिला प्रशासन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे उन कोचिंग संस्थानों को तुरंत सील करें जो बेसमेंट से चल रहे हैं। यह कोचिंग संस्थान चलाने के मौजूदा मानदंडों का उल्लंघन है।

हालांकि, अभी तक कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को राज्य की राजधानी में एक भी ऐसा संस्थान नहीं मिला है, जो बेसमेंट से चल रहा हो। पटना में मौजूदा समय में संचालित किये जा रहे कोचिंग संस्थानों के बारे में सिंह ने कहा, जिला प्रशासन ने कोचिंग संस्थानों को नियमों का पूरी तरह से पालन करने के लिए एक महीने का समय दिया है। उन्हें जिले में कोचिंग संस्थान चलाने के लिए अनिवार्य पंजीकरण प्राप्त करना होगा। एक महीने के बाद मौजूदा प्रावधानों का पालन करने में विफल रहने वाले केंद्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले से बसपा सहमत नहीं : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने वाले उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले से सहमत नहीं है।

मायावती ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों के उप-वर्गीकरण की अनुमति दी गई है, हमारी पार्टी इससे बिल्कुल सहमत नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि उन जातियों को आरक्षण प्रदान किया जा सके जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि राज्यों को पिछड़ेपन और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण करना होगा, न कि मर्जी और राजनीतिक लाभ के आधार पर। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सात-सदस्यीय संविधान पीठ ने 6:1 के बहुमत के फैसले के जरिये ''ई वी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार'' मामले में शीर्ष अदालत की पांच-सदस्यीय पीठ के 2004 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों (एससी) के किसी उप-वर्गीकरण की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि वे अपने आप में स्वजातीय समूह हैं। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मिथल ने एक अलग फैसले में बृहस्पतिवार को कहा कि आरक्षण नीति पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों के उत्थान के लिए नए तरीकों की जरूरत है।

मायावती ने कहा, क्योंकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों द्वारा अत्याचारों का सामना एक समूह के रूप में किया गया है और यह समूह समान है, इसलिए किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण करना सही नहीं होगा।

निजी क्षेत्रों में चतुर्थ श्रेणी की सभी नौकरियों में आरक्षण का पालन किया जाए : अनुप्रिया पटेल

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने निजी क्षेत्र में चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में आरक्षण लागू करने की अपनी मांग को एक बार फिर से दोहराया है। पटेल ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा, निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग के जरिए चतुर्थ श्रेणी के पदों पर की जाने वाली नियुक्तियों में आरक्षण का पालन नहीं किया जाता है। वंचित वर्ग के लोगों को चतुर्थ श्रेणी की नौकरी मिलती थी। जब इन पदों पर आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती की जाती है, तो आरक्षण कानून का पालन नहीं होता है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी चाहती है कि निजी क्षेत्रों में आउटसोर्सिंग के जरिए चतुर्थ श्रेणी की सभी नौकरियों में आरक्षण का पालन किया जाए। राज्य सरकार द्वारा पेश उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (सार्वजनिक प्रयोजनों के प्रबंधन और उपयोग) विधेयक, 2024 पर पटेल ने कहा कि यह अनावश्यक है। उन्होंने कहा, इसे उच्च सदन द्वारा पहले ही प्रवर समिति को भेजा जा चुका है। समिति इस पर विचार करेगी और अपनी सिफारिश देगी। हमारी पार्टी को लगता है कि यह अनावश्यक है और जनभावनाओं के खिलाफ है। अयोध्या बलात्कार मामले पर पटेल ने कहा कि ''अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता है।'' उन्होंने कहा, महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए जो भी दोषी है, उसे सजा मिलनी चाहिए। सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर कार से टकराकर पलटी बस, सात लोगों की मौत, 25 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/भाषा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ऊसराहर थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर एक डबल डेकर बस के शनिवार देर रात गलत दिशा से आ रही कार से टकराने के बाद खाई में गिर जाने से सात लोगों की मौत हो गई जबकि 25 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि तीन/चार अगस्त की दरमियानी रात को करीब पौने एक बजे नगालैंड के नंबर वाली एक डबल डेकर बस रायबरेली से दिल्ली जा रही थी, तभी वह रास्ते में इटावा जिले के ऊसराहर थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 129 के पास सामने से आ रही कार से टकरा गई। ऐसा बताया जा रहा है कि कार में सवार परिवार राजस्थान के मेहंदीपुर बालाजी में दर्शन के बाद कन्नौज के तालग्राम में अपने घर लौट रहा था। पुलिस अधीक्षक वर्मा के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि कार चालक को नींद आ गई और गलत लेन में दाखिल होने के कारण उसकी गाड़ी सामने से आ रही बस से टकरा गई। उन्होंने बताया कि टक्कर से अनियंत्रित हुई बस सड़क के किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। वर्मा के मुताबिक, इस हादसे में कार सवार मोनू (25), उसकी मां चंदा देवी (52) और प्रद्युम्न (24) तथा बस सवार ओमप्रकाश (50) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक अन्य मृतक बस यात्री की पहचान अमेठी जिले के निवासी यासिर अल्वी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस दो अज्ञात शवों की शिनाख्त की कोशिश कर रही है। वर्मा के अनुसार, हादसे में 25 अन्य लोग घायल हो गए। उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस में करीब 60 लोग सवार थे।

माणिक साहा ने हिंसा प्रभावित गंडाटविसा का किया दौरा, 239.10 करोड़ रू के पैकेज की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने हिंसा प्रभावित गंडाटविसा उपखंड के विकास के लिए रविवार को 239.10 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की। गंडाटविसा में 12 जुलाई को एक कॉलेज छात्र की मौत के बाद दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस हिंसा के फलस्वरूप 145 परिवार बेघर हो गये थे। मुख्य सचिव जे के सिन्हा एवं पुलिस महानिदेशक अमिताभ रंजन के साथ साहा ने राहत शिविरों का दौरा किया एवं प्रभावित लोगों से बातचीत की। इन शिविरों में बेघर परिवारों को ठहराया गया है। मुख्यमंत्री कॉलेज छात्र परमेश्वर रियांग के घर भी गये। उसी की मौत के बाद हिंसक झड़प हुई थी।

साहा ने कहा, ''जब से गंडाटविसा में हिंसा भड़की है, तब से मैं स्थिति पर नजर रख रहा हूं, लेकिन अगरतला से वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं किया जा सका। इसलिए, मैं हिंसा से हुई तबाही को देखने के लिए यहां आया हूं।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने रियांग के परिवार को पहले दी गयी छह लाख रुपये की सहायता के अलावा चार लाख रुपये और देने का फैसला किया है।

असम सरकार 'लव जिहाद' मामलों में उम्रकैद की सजा के लिए जल्द कानून लाएगी : हिमंत बिश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार जल्द ही 'लव जिहाद' के मामलों में आजीवन कारावास की सजा के लिए नया कानून लाएगी। यहां राज्य भाजपा कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने कहा, ''हमने चुनाव के दौरान 'लव जिहाद' के बारे में बात की थी। हम जल्द ही एक कानून लाएंगे, जिसमें ऐसे मामलों में आजीवन कारावास की सजा होगी।'' शर्मा ने यह भी कहा कि जल्द ही एक नई अधिवास नीति पेश की जाएगी जिसके तहत केवल असम में जन्में लोग ही राज्य सरकार की नौकरियों के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व वादे के अनुसार प्रदान की गयी 'एक लाख सरकारी नौकरियों' में स्वदेशी लोगों को प्राथमिकता मिली है, जो पूरी सूची प्रकाशित होने पर स्पष्ट होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जमीन की बिक्री को लेकर भी फैसला किया है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार इस तरह के लेनदेन को रोक नहीं सकती है, लेकिन आगे बढ़ने से पहले मुख्यमंत्री की सहमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है।

आईओसी ने मुक्केबाजों की जांच पर कहा, इसमें बहुत खामियां हैं

पेरिस/एपी। ओलंपिक आयोजकों ने रविवार को कहा कि मुक्केबाज इमाने खेलीफ और लिन यू टिंग की मनमानी से हुई जांच में इतनी खामियां हैं कि इस पर चर्चा करना असंभव है। इन जांच के कारण महिला मुक्केबाजों को 'ट्रांसजेंडर' या पुरुष करार करके आलोचनाओं का दौर शुरू हो गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के प्रवक्ता मार्क एडम्स ने फिर से अल्जीरिया की खेलीफ और ताईवान की लिन का बचाव किया और मुक्केबाजी की प्रतिबंधित संस्था 'अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ' की आलोचना की जिसने दावा किया था कि ये दोनों मुक्केबाज महिला स्पर्धा के लिए पात्रता के मद्देनजर की गई जांच में विफल रही थीं। एडम्स ने कहा कि 2023 की मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप के दौरान दोनों मुक्केबाजों को ले जाकर उनकी जांच की गयी क्योंकि उनके संबंध में सदेह था।

बीएसकेवाई लाभार्थियों को जीजेएवाई के तहत लाभ मिलता रहेगा: ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा कि बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाई) के सभी लाभार्थियों को नई स्वास्थ्य योजना गोपबंधु जन आरोग्य योजना (जीजेएवाई) के तहत लाभ मिलता रहेगा।

मंत्री ने शनिवार को कहा कि ओडिशा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की नई स्वास्थ्य योजना गोपबंधु जन आरोग्य योजना (जीजेएवाई) सितंबर में विधानसभा में 2024-25 के बजट के लिए विनियोग विधेयक पारित होने के बाद शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक नई स्वास्थ्य योजना जीजेएवाई चरणबद्ध तरीके से लागू नहीं हो जाती, तब तक लोगों को मौजूदा बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना का लाभ मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विधानसभा में 2024-25 का बजट पेश करते हुए घोषणा की थी कि स्वास्थ्य योजना बीएसकेवाई के स्थान पर जीजेएवाई को लागू किया जाएगा। महालिंग ने कहा कि बीएसकेवाई के लाभार्थी फिलहाल सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में सुविधाओं का लाभ उठाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार इस संबंध में सभी कदम उठा रही है। राज्य सरकार ने बजट में जीजेएवाई के लिए 5,450 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछली बीजू जनता दल (बीजद) सरकार द्वारा शुरू की गई बीएसकेवाई स्वास्थ्य योजना का स्थान लेगी। राज्य में 'गरीबी रेखा से नीचे' (बीपीएल) और 'गरीबी रेखा से ऊपर' (एपीएल) की श्रेणी के परिवार बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाई) का लाभ उठा रहे हैं। बीएसकेवाई के तहत लाभार्थियों को बिना नकद भुगतान के इलाज मुहैया कराया जाता है। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य भर के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में रेबीज रोधी टीका उपलब्ध कराने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार पुलिस ने यहां मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी देने से जुड़े एक ईमेल के संबंध में मामला दर्ज किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सचिवालय थाना प्रभारी संजीव कुमार के बयान के आधार पर दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, ईमेल 16 जुलाई को मुख्यमंत्री कार्यालय को मिला था।

प्राथमिकी के अनुसार, ईमेल भेजने वाले ने दावा किया था कि वह अलकायदा से जुड़ा है। उसने मुख्यमंत्री कार्यालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से कहा था, ''यह एक पुराना मामला है... हमने जांच के बाद दो अगस्त 2024 को प्राथमिकी दर्ज की।''

बिहार पुलिस के राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) की वेबसाइट पर उपलब्ध प्राथमिकी के अनुसार, अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

केंद्र ने युवाओं के भविष्य को महज ''राजस्व बढ़ाने की कवायद'' तक सीमित कर दिया है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने लाखों युवाओं के भविष्य को महज ''राजस्व बढ़ाने की कवायद'' तक सीमित कर दिया है। पार्टी ने दावा किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पिछले छह साल में 448 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 31 जुलाई को राज्यसभा में एनटीए से संबंधित एक प्रश्न पर शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार के जवाब को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, ''एनटीए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) घोटाले के केंद्र में है। यह शिक्षा मंत्रालय का एक निकाय है जिसका एकमात्र उद्देश्य निजी 'वेंडर्स' को 'आउटसोर्सिंग' के जरिये काम पर रखकर कार्य करना है। उन्होंने कहा, '' न केवल इन 'वेंडर्स' की साख अक्सर संदेह के घेरे में होती है, बल्कि खुद एनटीए की कमान एक ऐसे व्यक्ति के हाथ में है जो जब मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष थे तब वहां बड़े घोटाले सामने आए थे।''

स्कूल भर्ती घोटाला: ईडी ने तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण साहा के खिलाफ समन जारी किया

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के विद्यालयों में भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि साहा को घोटाले में संलिप्तता के आरोप में सीबीआई ने पिछले साल गिरफ्तार किया था और उन्हें बाद में जमानत दे दी गई थी। उन्होंने बताया कि साहा को एजेंसी के कोलकाता स्थित कार्यालय में ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश होने को कहा गया है। ईडी के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उनसे स्कूल भर्ती घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए सोमवार सुबह हमारे कार्यालय आने को कहा गया है।''

हमारे डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था : हरमनप्रीत सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। ब्रिटेन के खिलाफ दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद पेरिस ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में शूटआउट में जीत दर्ज करने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रविवार को कहा कि डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था ।

अनुभवी डिफेंडर अमित रोहिदास को 18वें मिनट में रेडकार्ड मिलने के बाद भारत को लगभग तीन क्वार्टर दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा ।

पेरिस ओलंपिक में अब तक सात गोल कर चुके हरमनप्रीत ने कहा ,'' हमारे पास अंतिम समय तक स्कोर बराबर रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं था । हमने डिफेंस पर फोकस रखा और एक संयोजन के साथ खेले । खिलाड़ियों के बीच संवाद बहुत अच्छा था । टीम प्रयासों से यह जीत मिली ।'' उन्होंने कहा कि टीम को रेडकार्ड को भुलाकर आगे बढना था । उन्होंने कहा ,'' जो हुआ, उसे हम बदल नहीं सकते थे । टीम प्रयासों से जीत मिली है । हमारे डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था । दस खिलाड़ियों के साथ खेलना आसान नहीं था ।'' उन्होंने कहा ,'' ऐसे मुकाम पर हम नर्वस नहीं हो सकते । हम किस टीम के खिलाफ खेल रहे हैं, कितने खिलाड़ी मैदान पर है, दस खिलाड़ियों के साथ खेल रहे हैं , यह सब मायने नहीं रखता ।''

उन्होंने गोलकीपर पी आर श्रीजेश की तारीफ की लेकिन कहा कि यह 'वन मैन शो' नहीं था । उन्होंने कहा ,'' श्रीजेश लीजैंड है और सर्वश्रेष्ठ में से एक है । वह हमारे लिये मैच बचाता है लेकिन आप उससे भी पूछेंगे तो वह यही कहेंगे कि यह टीम प्रयास है । टीम पहले है, उसके बाद व्यक्ति ।''

ओलंपिक पदक जीतने तक संन्यास नहीं लूंगी: दीपिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। लगातार चार ओलंपिक में विफल रही कई बार की विश्व कप पदक विजेता तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि वह पोडियम पर पहुंचने तक खेल को अलविदा नहीं कहेंगी और उन्हें लगता है कि चार साल बाद लॉस एंजिलिस में वह ऐसा करने में कामयाब रहेंगी।

दीपिका खेलों के सबसे बड़े मंच पर दबाव भरे हालात में विफल रही हैं। उन्होंने यहां 'इंडिया हाउस' में पीटीआई से विशेष बातचीत में कहा, ''निश्चित रूप से मैं भविष्य में और खेलना चाहती हूं और अपना खेल जारी रखूंगी। '' उन्होंने कहा, ''मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं और जब तक मैं इसे हासिल नहीं कर लेती, तब तक मैं खेल नह छोड़ूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी और मजबूती से वापसी करूंगी। ''

दीपिका (30 साल) ने कहा, ''मैं और मजबूती से पेश करूंगी। इसमें कई चीजे हैं जैसे तेजी से निशाना लगाना, मुझे इसके बारे में थोड़ा और जानने की जरूरत है और इसके अनुसार खुद को तैयार करना सबसे महत्वपूर्ण है। '' उन्होंने कहा, ''मैं ओलंपिक से यही सीखा है कि देर से निशाना लगाना कारगर नहीं होता, आपके पास बड़ी गलतियों की गुंजाइश नहीं होती। आपको इस पर नियंत्रण रखना होता है। मैं यहां से यह सीख लूंगी। '' वह पेरिस में अपने लगातार चौथे ओलंपिक में खेलने उतरीं। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद खेल में वापसी की। राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने अप्रैल में शंघाई विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता।

सुविचार

धुप हैं किस्मत में लेकिन, छाया भी कही तो होगी, जहाँ मंजिले होगी अपनी, कोई तो ऐसी ज़मीं होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'पाठशाला' न बने 'पिटाईशाला'

अनुशासन और शिक्षा के नाम पर एक स्कूली बच्चे के साथ शारीरिक हिंसा करने से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक शिक्षिका की याचिका को खारिज करते हुए जो टिप्पणी की, वह ऐसे सभी मामलों में नज़ीर है। शिक्षकों को इसका एक बार अध्ययन जरूर करना चाहिए। न्यायालय ने सत्य कहा कि 'बच्चे बहुमूल्य राष्ट्रीय धरोहर हैं, उनका पालन-पोषण पूरी कोमलता के साथ किया जाना चाहिए, न कि क्रूरता के साथ।' अगर अनुशासन और शिक्षा के नाम पर उनकी पिटाई की जाती है तो इसे क्रूरता ही मानना चाहिए। हर साल ऐसी कई घटनाएं होती हैं, जिनसे पता चलता है कि किसी शिक्षक ने गुस्से में आकर छात्र की पिटाई कर दी, जिससे वह या तो गंभीर रूप से घायल हो गया या उसके प्राण-पखेरु उड़ गए! बेशक कोई शिक्षक नहीं चाहता कि उसके माथे पर हत्यारा होने का कलंक लगे, वह भी अपने ही छात्र का! कई बार क्षणिक भावावेश, घरेलू मामले या जीवन की किसी अन्य समस्या के कारण कुछ शिक्षक अपना गुस्सा छात्रों पर उतारते हैं। वहीं, कुछ शिक्षक पिटाई के पीछे तर्क देते हैं कि इससे छात्र अनुशासित रहते हैं और पढ़ाई की ओर ध्यान देते हैं। हालांकि यह कहना सरासर गलत है। अगर डंडे के जोर से ही छात्र अनुशासित होते तो आज़ादी के इतने दशकों बाद लगभग पूरा देश ही बहुत अनुशासित हो गया होता, चूंकि ज्यादातर लोगों ने स्कूलों में कभी-न-कभी ऐसी सख्ती का सामना जरूर किया है। पिटाई के डर से पढ़ाई की ओर ध्यान देने का दावा भी पूरी तरह काल्पनिक है। क्या जिन बच्चों की स्कूलों में बहुत पिटाई हुई थी, वे सब-के-सब उच्च कोटि के वैज्ञानिक, चिंतक या दार्शनिक बन गए?

सच्चाई यह है कि बहुत ज्यादा पिटाई करने वाले शिक्षक का उसके छात्र मन से आदर नहीं करते। जब कभी ऐसे शिक्षक का तबादला हो जाता है या उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई होती है तो छात्र अत्यंत हर्षित होते हैं। इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। कई बच्चे तो ऐसे शिक्षक से परेशान होकर दूसरे स्कूल में दाखिला ले लेते हैं या पढ़ाई छोड़ देते हैं। अब सोशल मीडिया पर ऐसे मामलों को जोर-शोर से उठाए जाने के कारण अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों में जागरूकता आई है। जब कभी पता चलता है कि किसी शिक्षक ने अपने छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी, तो उसके खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया जाता है। प्राय: प्राइवेट स्कूल वाले अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए उस शिक्षक को नौकरी से तुरंत निकाल देते हैं। इस घटना की वजह से उसे दूसरी स्कूल में नौकरी मिलना मुश्किल होता है। वह छात्र के अभिभावक की ओर से दर्ज मुकदमे का सामना करता है, सो अलग। दो दशक पहले स्कूलों, खासकर राजस्थान के कई सरकारी स्कूलों में छात्रों की बहुत पिटाई की जाती थी। चूंकि तब सोशल मीडिया नहीं होता था। मुख्य धारा के मीडिया की पहुंच भी सीमित थी। उस दौरान कई शिक्षक अपनी विद्वता के बजाय पिटाई में 'महारत' के लिए जाने जाते थे। वे प्रार्थना-सभा में ही अपना 'हुनर' दिखाना शुरू कर देते थे। जब दिन की शुरुआत ही इतने 'भयानक' तरीके से होगी तो बच्चे उस स्कूल से कितना लगाव महसूस करेंगे और पढ़ाई की ओर कितना ध्यान दे पाएंगे? जब छुट्टी की घंटी बजती तो सभी छात्र यूं भागते थे, गोया उन्होंने बड़ी मुश्किल से अपनी जान छुड़ाई है। कुछ छात्र तो लगातार पिटाई और अपमान से परेशान होकर मानसिक समस्याओं का सामना करने लगते थे। उनके सामने ऐसा कोई विकल्प नहीं होता था कि वे इस मुसीबत से निजात पा सकें। जब वे काफी कोशिशों के बावजूद विषय को ठीक तरह से नहीं समझ पाते थे और आए दिन उनकी पिटाई होती थी, तो आखिरकार यह सोचकर पढ़ाई में उनकी दिलचस्पी कम होने लगती थी कि मार तो पड़नी ही है, चाहे मैं पढ़ूं या न पढ़ूं! स्कूलों में अनुशासन होना चाहिए। अगर बच्चे वहां अनुशासन नहीं सीखेंगे तो कहां सीखेंगे? लेकिन क्या इसके लिए मारपीट करना ही एकमात्र तरीका है? शिक्षक बनने से पहले प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को अनुशासित करने की अनेक मनोवैज्ञानिक विधियों के बारे में बताया जाता है। उन पर अमल करना चाहिए। स्कूली बच्चों का मन बहुत कोमल होता है। उनके साथ मार-कुटाई का बर्ताव ठीक नहीं है। पाठशाला ऐसी जगह होनी चाहिए, जो देश के लिए श्रेष्ठ नागरिक तैयार करे, न कि ऐसी जगह, जहां कदम रखने से बच्चे भयभीत हों। 'पाठशाला' 'पिटाईशाला' नहीं बननी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र बून्दी के केशवराय पाटन और कापरेन क्षेत्र में देवतुल्य जनता से मिले स्नेह से अभिभूत हूं। यह आशीर्वाद और विश्वास मुझे उनकी सेवा में समर्पण भाव से कार्य करने की नई प्रेरणा देता है। मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि मेरे इन परिवारजनों के जीवन को बेहतर बना सकूं।

-ओम बिरला

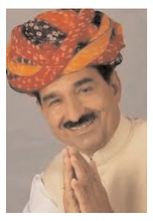

जयपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मां भारती की आजादी एवं हमारे लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाले देश के इन वीर पुरुषों को मैं आदर पूर्वक नमन करता हूं।

-मदन राठौड़

पेरिस ओलंपिक में अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए ग्रेट ब्रिटेन को परास्त कर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक के सेमीफाइनल में प्रवेश सुनिश्चित किया है। समस्त देशवासियों को हर्षित करने वाली इस उपलब्धि के लिए भारतीय हॉकी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

प्रतिबद्धता का सुफल

घटना 1943 की है, जब लता मंगेशकर महज 14 वर्ष की थीं। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो चुका था और परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। लता को अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। एक दिन मुंबई में भारी बारिश हो रही थी। लता को एक संगीत निर्देशक से मिलने जाना था, जिन्होंने उन्हें एक गाने के लिए बुलाया था। यह उनके करिअर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। लेकिन उनके पास न तो छाता था और न ही बारिश से बचने का कोई अन्य साधन। फिर भी लता ने हिम्मत नहीं हारी। वे भारी बारिश में पैदल ही चल पड़ीं। वे पूरी तरह भीग गईं, उनके कपड़े कीचड़ से सन गए। जब वे स्टूडियो पहुंची, तो संगीत निर्देशक उन्हें इस हालत में देखकर हैरान रह गए। उन्होंने लता से पूछा कि वे इतनी भारी बारिश में क्यों आईं। लता ने बड़ी सादगी से जवाब दिया, 'आपने मुझे बुलाया था, और मैं अपना वादा निभाना चाहती थी।' संगीत निर्देशक लता के समर्पण और प्रतिबद्धता से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने न केवल लता को उस गाने के लिए चुना, बल्कि उन्हें और भी कई गाने गाने का मौका दिया।

सामयिक

आज वर्तमान में शिव के काल्पनिक चित्रणों की भरमार है। और शिव के नाम पर तस्वीरों व प्रतिमाओं का निर्माण कार्य जारी है। यह चित्र अथवा प्रतिमा शरीरधारी राजा शिव की नहीं है और न ही निराकार शिव ईश्वर की। यह काल्पनिक शिव के मानव रुपी शरीर का अलंकारिक चित्रण है। इसके दायें हाथ में त्रिशूल और बायें हाथ में डमरु है। सिर पर गंगा और माथे पर अर्द्ध चन्द्रमा है। उनके तीन नेत्र हैं। वृषभ या नादिया उनकी सवारी है। गले में मुण्ड माला है। वह बाघम्बर धारण किए हैं। गले में सर्प लिपटे रहते हैं। उन्होंने देवों के कष्ट हरण के लिए विषपान किया है।

मंगलकारी मंगलस्वरूप शिव को नमन

अशोक प्रवृद्ध

शिव के संबंध में अनेक भ्रांतियों के फैले होने का एक प्रमुख कारण यह है कि भारतीय प्राचीन ग्रंथों में वर्णित शिव के तीन रूपों -निराकार ईश्वर का नाम शिव, महाराजा शिव और वर्तमान में प्रचलित चित्रों में गले में सर्प लपेटे शिव से संबंधित तीन पृथक- पृथक चित्रणों को, विवरणियों को एक मान लिया जाना है। जिसके कारण अनेक भ्रम, विसंगति व तर्क से परे बातों का शिव कथाओं में समावेश हो गया है। वैदिक मतानुसार परमेश्वर के अनन्त गुण, कर्म, स्वभाव होने की भांति ही उसके अनन्त नाम भी हैं। ईश्वर का प्रत्येक गुण, कर्म और स्वभाव का एक-एक नाम है। वेदों में निराकार ईश्वर का ही एक नाम शिव कहा गया है। शिव का अर्थ है -जो कल्याणकारी हो। क्योंकि ईश्वर कल्याणकारी है, इसलिए उसका एक नाम शिव भी है। स्वामी दयानन्द सरस्वती अपनी प्रसिद्ध कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रथम सम्मुलास में कहते हैं- शिवु कल्याणे- इस धातु से शिव शब्द सिद्ध होता है। बहुलमेतन्निदर्शनम इससे शिवु धातु माना जाता है, जो कल्याणस्वरूप और कल्याण का करने वाला है, इसलिए उस परमेश्वर का नाम शिव है। वेदों में ईश्वर के गुणों के अनुसार लगभग सौ नामों से परमेश्वर को संबोधित किया हैं, जिनमे से शिव भी एक नाम है।

वेदों में वर्णित यह शिव समस्त सौर मंडल में कण-कण में विद्यमान है, न कि सिर्फ किसी पर्वत पर। नित्यप्रति की सन्ध्या- उपासना के अन्तर्गत प्रयुक्त होने वाले वेद मंत्र में भी निराकार शिव की ही स्तुति की गई है- नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च। - यजुर्वेद 16/41, अर्थात जो मनुष्य सुख को प्राप्त कराने हारे परमेश्वर और सुखप्राप्ति के हेतु विद्वान का भी सत्कार कल्याण करने और सब प्राणियों को सुख पहुंचाने वाले का भी सत्कार मंगलकारी और अत्यन्त मंगलस्वरूप पुरुष का भी सत्कार करते हैं, वे कल्याण को प्राप्त होते हैं।

इस एक ही मंत्र में शंभव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, शिवतर शब्द आये हैं जो एक ही परमात्मा के विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुए हैं। तीनों लोकों के स्वामी ईश्वर को उसके गुणों व कर्मों के अनुसार त्रयंबकम कहा गया है- ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।। -ऋग्वेद 7/59/12

वेद की भांति ही उपनिषदों में भी शिव की महिमागान की गई है- स ब्रह्मा स विष्णुः स रुद्रस्सः शिवस्सोऽक्षरस्सः परमः स्वराट। स इन्द्रस्सः कालाग्निस्स चन्द्रमाः।। - कैवल्योपनिषद 1/80, अर्थात वह जगत का निर्माता, पालनकर्ता, दण्ड देने वाला, कल्याण करने वाला, विनाश को न प्राप्त होने वाला, सर्वोपरि, शासक, ऐश्वर्यवान, काल का भी काल, शान्ति और प्रकाश देने वाला है।

माण्डूक्योपनिषद के अनुसार जो इस संसार की उत्पत्ति, स्थिति और प्रलय का कर्ता एक ही है, जो सब प्राणियों के हृदयाकाश में विराजमान है, जो सर्वव्यापक है, वही सुखस्वरूप भगवान शिव सर्वगत अर्थात सर्वत्र प्राप्त है। श्वेताश्वेतर उपनिषद 4/14 में इसे और भी स्पष्ट करते हुए कहा है कि परमात्मा अत्यन्त सूक्ष्म है, हृदय के मध्य में विराजमान है, अखिल विश्व की रचना अनेक रूपों में करता है। वह अकेला अनन्त विश्व में सब ओर व्याप्त है। उसी कल्याणकारी परमेश्वर को जानने पर स्थायी रूप से मानव परम शान्ति को प्राप्त होता है।

अब दूसरे रूप महाराजा शिव की बात करते हैं। पौराणिक ग्रंथों के गहन अध्ययन से इस सत्य का सत्यापन होता है कि गांधार क्षेत्रों में राज्य करने वाले एक महान राजा शिव थे। उनके पिताश्री का नाम अग्निश्वात था। अग्निश्वात के पिता का नाम विराट था और विराट के पिता का नाम महर्षि ब्रह्मा था। शिव की पत्नी का नाम उमा है। पर्वत क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के कारण उनको पार्वती की उपाधि प्राप्त है। शिव के दो पुत्र गणेश और कार्तिकेयन है। कैलाश उनकी राजधानी थी और तिब्बत का पठार और हिमालय के वे शासक थे। हरिद्वार से उनकी सीमा आरम्भ होती थी और काशी विश्वनाथ तक उनका साम्राज्य फैला हुआ था। वह शिव एक महान योगी भी थे। शिव योग का अभिप्राय है- नाना प्रकार के यंत्रों का निर्माण करना अथवा करते रहना तथा विविध यंत्रो को क्रिया में लाना। इस प्रकार वह अपने जीवन का राष्ट्रीयकरण करते हुए अपनी आभा को विकसित करने में लगे रहते थे। उनके राज्य में सब कोई सुखी था। कैलाशपति शिव वीतरागी महान राजा थे, वे राजा होकर भी अत्यंत वैरागी थे तथा उनका राज्य इतना लोकप्रिय हुआ कि उन्हें कालांतर में साक्षात ईश्वर के नाम शिव से उनकी तुलना की जाने लगी। वे महान विज्ञानवेत्ता अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण कर्त्ता थे। लंकेश रावण ने भी उनके पास रहकर शिक्षा प्राप्त की थी। उनकी प्रजा कैलाश पर्वत के समान आचार- विचार में ऊंची होने के कारण उनको कैलाशपति भी कहते थे। उनके राष्ट्र में अनुष्ठान, अनुसंधान, अनुवृत्ति और नाना प्रकार के ज्ञान-विज्ञान के प्रवर्द्धन में कार्य होते रहते थे। उनकी पत्नी का नाम पार्वती था जो राजा दक्ष की कन्या थी। उनकी पत्नी ने भी गौरीकुंड उत्तराखंड में रहकर तपस्या की थी।

महाराजा शिव से संबंधित यह कथा अधिक लोकप्रिय नहीं। इसलिए इस बात का लाभ लेकर वाममार्गियों ने भारतीय पौराणिक साहित्य में अनेक विसंगतिपूर्ण व तर्क से परे प्रसंगों, कथाओं का प्रक्षिप्त कर भारी गड़बड़ी कर दी और साकार पुरुष शिव और निराकार ईश्वर के एक अन्य नाम शिव को मिलाकर अनर्थ कर दिया। महाराजा शिव उनकी पत्नी पार्वती और गणेश की मूर्ति बनाकर किस्से कहानियां व किंबदन्तियां रच दीं। और शिव ईश्वर की मूर्ति बनाकर महाराजा शिव और ईश्वर शिव को एक ही मान लेने की भारी गलती कर दी।

आज वर्तमान में शिव के काल्पनिक चित्रणों की भरमार है। और शिव के नाम पर तस्वीरों व प्रतिमाओं का निर्माण कार्य जारी है। यह चित्र अथवा प्रतिमा शरीरधारी राजा शिव की नहीं है और न ही निराकार शिव ईश्वर की। यह काल्पनिक शिव के मानव रुपी शरीर का अलंकारिक चित्रण है। इसके दायें हाथ में त्रिशूल और बायें हाथ में डमरु है। सिर पर गंगा और माथे पर अर्द्ध चन्द्रमा है। उनके तीन नेत्र हैं। वृषभ या नादिया उनकी सवारी है। गले में मुण्ड माला है। वह बाघम्बर धारण किए हैं। गले में सर्प लिपटे रहते हैं। उन्होंने देवों के कष्ट हरण के लिए विषपान किया है। इन सभी रूपों का मिश्रण ही वर्तमान में प्राप्य शिव चित्र प्रतीत होते हैं। परंतु इस चित्र का भी दार्शनिक पहलू है, वह यह है कि मृत्यु को जीत लेने वाले अवधूत ब्रह्मचारी को भी शिव कहा जाता है। ऐसा महान इन्द्रियजीत योगी ही संसाररूपी प्रकृति अथवा पार्वती का स्वामी कहलाने योग्य हो सकता है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद आदि सांसारिक विषय रूपी सर्प उससे लिपटे रहकर भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। शरीर पर लिपटे हुए सर्पों से तात्पर्य स्पष्ट है कि सांसारिक विषय और वासनाएं सर्प की भांति शरीर के ऊपर लिपटी होने का प्रभाव तो सांसारिक मनुष्य पर पड़ता है लेकिन योगी,तपस्वी पर उनका कोई प्रभाव नही होता है। स्वयं प्रकृति ही पार्वती माता के रूप में उनकी पत्नी होने के कारण भी सर्प का असर उन पर नहीं होता। दोनों एक- दूसरे के पूरक है, सहायक है, रक्षक हैं। इसलिए प्रकृति के अभिन्न अंग सर्प शिव को क्षति पहुंचा ही नहीं सकते हैं। परम योगी साधक शिव ब्रह्म अथवा ब्रह्मजल में क्रीडा में निमग्न रहता है। परमानन्द की प्राप्ति होने से वह कैलाश में सदा स्थिर रहता है। यही उसका कैलाशवाश है। इसी प्रकार पर्वत दृढ़ता का प्रतीक है, साधक पर्वत की भांति अपने व्रत में अड़िग रहता है। तीन नेत्र वाले, त्रिनेत्र। उनके माथे में स्थित तीसरा नेत्र ज्ञान नेत्र का प्रतीक है। इसी ज्ञान नेत्र से वह काम वासना को भस्म कर देते हैं। इसलिए वे कभी कामासक्त होकर अनाचार नहीं करते। त्रिशूल- तीन शूल अर्थात कष्ट। तीन कष्ट हैं- आधिदैविक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक। ये तीन कष्ट अर्थात शूल कांटों के समान कष्टदायक हैं। इसलिए त्रिशूल हैं। परम योगी शिव इन तीनों कष्ट रुपी दुःखों को अपनी दायीं मुट्ठी में भरकर अपने वश में कर लेते हैं। शिव के बायें हाथ में डमरु है।

डमरु शब्द संस्कृत के दमरु का अपभ्रंश है, जो दो शब्दों से बना है। दम अर्थात दमन करना और रु अर्थात ध्वनि। अर्थात दमन संयम रूपी ध्वनि व्यक्त होती रहती है अर्थात वह महान संयमी है। शिव के माथे पर गंगा हैं। मस्तकवर्ती यह गंगा ज्ञान गंगा है। इससे सिद्ध है कि शिव ज्ञानी है। शिव के सिर पर अर्द्ध चन्द्रमा है। यह चन्द्रमा आनन्द और आशा एवं सौहार्द्र की प्रतीक है। शिव के चारों ओर लिपटे हुए विषधर काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, ईर्ष्या, द्वेष, पक्षपात आदि के प्रतीक हैं। जिन्हें योगी शिव अपने अन्तःकरण से बाहर फेंककर अनासक्त भाव से विचरण करते हैं। हलाहल पान करने से नीलकंठ है।

शिव का हलाहल पान करना इस बात का प्रतीक है कि वह विष समान कटुतर बातों को अपने कंठ से नीचे नहीं जाने देता। उनका हृदय नितान्त निर्मल है। शिव का मुण्डमाला धारण करना इस बात का प्रतीक है कि उनके कई जन्म हो चुके हैं। शिव का अपने शरीर पर भस्म लपेटे होना यह सिद्ध करते हैं कि यह शरीर भस्म होने वाला है। -भस्मान्तं शरीरम। -यजुर्वेद 40/15। अर्थात योगी शिव शरीरादि मोह से विरक्त हैं अर्थात विलासिता से दूर हैं। शिव की सवारी नादिया या वृषभ है। नादिया नाद शब्द का अपभ्रंश है। नाद का अर्थ ध्वनि है। सर्वश्रेष्ठ ध्वनि ॐ अर्थात ओंकार की है।

नजरिया

सावन में खुशियों के बीज, बोने आती हरियाली तीज

प्रियंका सौरभ

हरियाली तीज का उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाया जाता है। मुख्यत: यह स्त्रियों का त्योहार है। इस समय जब प्रकृति चारों तरफ हरियाली की चादर सी बिछा देती है तो प्रकृति की इस छटा को देखकर मन पुलकित होकर नाच उठता है। जगह-जगह झूले पड़ते हैं। स्त्रियों के समूह गीत गा-गाकर झूला झूलते हैं। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को श्रावणी तीज कहते हैं। इसे हरितालिका तीज भी कहते हैं। जनमानस में यह हरियाली तीज के नाम से जानी जाती है। श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। स्त्रियां अपने हाथों पर त्योहार विशेष को ध्यान में रखते हुए भिन्न-भिन्न प्रकार की मेहंदी लगाती हैं। मेहंदी रचे हाथों से जब वह झूले की रस्सी पकड़ कर झूला झूलती हैं तो यह दृश्य बड़ा ही मनोहारी लगता है, मानो सुहागिन आकाश को छूने चली हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां सुहागी पकडक़र सास के पांव छूकर उन्हें देती हैं। यदि सास न हो तो स्वयं से बड़ों को अर्थात जेठानी या किसी वृद्धा को देती हैं। इस दिन कहीं-कहीं स्त्रियां पैरों में आलता भी लगाती हैं जो सुहाग का चिह्न माना जाता है। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी बड़े धूमधाम से निकाली जाती है। वास्तव में देखा जाए तो हरियाली तीज कोई धार्मिक त्योहार नहीं वरन महिलाओं के लिए एकत्र होने का एक उत्सव है। नवविवाहित लड़कियों के लिए विवाह के पश्चात पडने वाले पहले सावन के त्योहार का विशेष महत्त्व होता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव

ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

तीज का आगमन भीषण ग्रीष्म ऋतु के बाद पुनर्जीवन व पुनर्शक्ति के रूप में होता है। यदि इस दिन वर्षा हो तो यह और भी स्मरणीय हो उठती है। लोग तीज जुलूस में ठंडी बौछार की कामना करते हैं। ग्रीष्म ऋतु के समाप्त होने पर काले कजरारे मेघों को आकाश में घुमड़ता देखकर पावस के प्रारम्भ में पपीहे की पुकार और वर्षा की फुहार से आभ्यंतर आनन्दित हो उठता है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन कजली या हरियाली तीज का पर्वोत्सव मनाता है। आसमान में घुमड़ती काली घटाओं के कारण ही इस त्योहार या पर्व को कजली या कज्जली तीज तथा पूरी प्रकृति में हरियाली के कारण तीज के नाम से जाना जाता है। इस त्योहार पर लड़कियों को ससुराल से पीहर बुला लिया जाता है। विवाह के पश्चात पहला सावन आने पर लडक़ी को ससुराल में नहीं छोड़ा जाता है। नवविवाहिता लडक़ी की ससुराल से इस त्योहार पर सिंजारा भेजा जाता है। हरियाली तीज से एक दिन पहले सिंजारा मनाया जाता है। इस दिन नवविवाहिता लडक़ी की ससुराल से वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार का सामान, मेहंदी और मिठाई भेजी जाती है। इस दिन मेहंदी लगाने का विशेष महत्त्व है।

स्त्रियां आकर्षक परिधानों से सुसज्जित हो भगवती पार्वती की उपासना करती हैं। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है, उन्हें अपने भविष्य के सास-ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में शिंझार (श्रृंगार) कहते हैं। शिंझार में अनेक वस्तुएं होती हैं, जैसे मेहंदी, लाख की चूडिय़ां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, जिसे बांधकर रंगा जाता है तथा एक मिष्ठान जिसे घेवर कहते हैं। इसमें अनेक भेंट वस्तुएं होती हैं, जिसमें वस्त्र व मिष्ठान होते हैं। इसे मां अपनी विवाहित पुत्री को भेजती है। पूजा के बाद बया' को सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यदि कन्या ससुराल में है तो मायके से तथा यदि मायके में है तो ससुराल से मिष्ठान, कपड़े आदि भेजने की परम्परा है। इसे स्थानीय भाषा में तीज की भेंट कहा जाता है। राजस्थान हो या पूर्वी उत्तर प्रदेश, प्राय: नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुला लेने की परम्परा है। सभी विवाहिताएं इस दिन विशेष रूप से श्रृंगार करती हैं। सायंकाल बन ठनकर सरोवर के किनारे उत्सव मनाती हैं और उद्यानों में झूला झूलते हुए कजली के गीत गाती हैं।

इस अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेहंदी रचाती हैं। तीज के गीत हाथों में मेहंदी लगाते हुए गाये जाते हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है, महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेहंदी रचाना। पैरों में आलता लगाना, महिलाओं के सुहाग की निशानी है। हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेहंदी रचाती हैं जिसे मेहंदी मांडना' कहते हैं। इस दिन बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। तीज के दिन का विशेष कार्य होता है, खुले स्थान पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर झूला बांधना। झूला स्त्रियों के लिए बहुत ही मनभावन अनुभव है। मल्हार गाते हुए मेहंदी रचे हुए हाथों से रस्सी पकड़े झूलना एक अनूठा अनुभव ही तो है। सावन में तीज पर झूले न लगें, तो सावन क्या? तीज के कुछ दिन पूर्व से ही पेड़ों की डालियों पर, घर की छत की कड़ों या बरामदे में कड़ों में झूले पड़ जाते हैं और नारियां, सखी-सहेलियों के संग सज-संवरकर लोकगीत, कजरी आदि गाते हुए झूला झूलती हैं। पूरा वातावरण ही उनके गीतों के मधुर लयबद्ध सुरों से रसमय, गीतमय और संगीतमय हो उठता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ पार्टी समर्थकों के बीच झड़प में 32 लोगों की मौत

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्र आंदोलन संगठन द्वारा घोषित ''असहयोग'' आंदोलन के पहले दिन रविवार को प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ अवामी लीग समर्थकों के बीच हिंसक झड़पों में 32 लोग मारे गए तथा सैकड़ों अन्य घायल हो गए। सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी एक 'असहयोग कार्यक्रम' में भाग लेने पहुंचे। अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया तथा फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। प्रोथोम अलो अखबार ने अपनी खबर में कहा, ''बांग्लादेश के 13 जिलों में हुई झड़पों में अब तक 32 लोग मारे जा चुके हैं।'' गृह मंत्रालय ने रविवार शाम छह बजे से देश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया। सरकारी एजेंसियों ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक', 'मैसेंजर', 'व्हॉट्सऐप' और 'इंस्टाग्राम' को बंद करने का आदेश दिया है। अखबार ने बताया कि मोबाइल प्रदाताओं को 4जी इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया गया है। 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन प्लेटफॉर्म' ने सरकार के इस्तीफे की एक सूत्री मांग के साथ आज से पूर्ण ''असहयोग'' आंदोलन का आह्वान किया।

इस बीच, प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि विरोध के नाम पर बांग्लादेश में तोड़फोड़ करने वाले लोग छात्र, नहीं बल्कि आतंकवादी हैं और उन्होंने जनता से ऐसे लोगों से सख्ती से निपटने को कहा। उन्होंने कहा, ''मैं देशवासियों से अपील करती हूं कि इन आतंकियों से सख्ती से निपटा जाए।'' प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के सूत्रों के हवाले से अखबार ने खबर में बताया कि हसीना ने गणभवन में सुरक्षा मामलों की राष्ट्रीय समिति की बैठक बुलाई।

बैठक में सेना, नौसेना, वायुसेना, पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), बांग्लादेश सीमा गार्ड (बीजीबी) के प्रमुखों और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब देश के कई हिस्सों में हिंसा फिर से फैलती जा रही है। विरोध प्रदर्शन के चलते ढाका की ज्यादा दुकानें और मॉल बंद रहे। सैकड़ों छात्र और कामकाजी लोग ढाका के शाहबाग में एकत्र हो गए हैं, जिससे यातायात जाम हो गया। समाचार पोर्टल 'बीडीन्यूज24' की एक खबर के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की और आरक्षण में सुधार को लेकर हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। प्रदर्शनकारी असहयोग आंदोलन के पहले दिन राजधानी के साइंस लैब चौराहे पर भी एकत्र हुए और उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। समाचारपत्र 'डेली स्टार' के अनुसार, रविवार को बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू) में अज्ञात लोगों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। खबर के अनुसार, लाठी-डंडे लिए लोगों को अस्पताल परिसर में निजी कार, एम्बुलेंस, मोटरसाइकिलों और बसों में तोड़फोड़ करते देखा गया, जिससे मरीजों, तीमारदारों, चिकित्सकों और अन्य कर्मियों में भय पैदा हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हसीना के वार्ता के निमंत्रण को खारिज कर दिया और सरकार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के समन्वयकों ने स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों और मदरसों के छात्रों के साथ-साथ श्रमिकों, पेशेवरों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और अन्य आम लोगों से विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया। सरकार विरोधी प्रदर्शनों के समन्वयक नाहिद इस्लाम ने घोषणा की कि वे अपनी एक सूत्री मांग को लेकर सोमवार को प्रदर्शन और सामूहिक धरना देंगे। उन्होंने एक बयान में कहा कि सोमवार को वे आरक्षण सुधार आंदोलन के दौरान हाल ही में देशभर में मारे गए लोगों की याद में शहीद स्मारक पट्टिकाओं का अनावरण करेंगे।

बांग्लादेश में हाल में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें देखने को मिली थीं जिसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

बचाव

केरल के वन अधिकारियों ने रविवार को वायनाड के घने जंगल में 8 घंटे की अविश्वसनीय यात्रा के बाद पांच दिनों के बाद एक मां और चार आदिवासी बच्चों को गुफा से बचाया।

पाकिस्तान की सेना को मुझसे माफी मांगनी चाहिए: इमरान खान

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को उनकी गिरफ्तारी के बाद भड़के दंगों के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है और कहा है कि सेना को उनसे माफी मांगनी चाहिए क्योंकि हिंसा के दिन पाक रेंजर्स ने उनका ''अपहरण'' कर लिया था।

खान (71) को नौ मई 2023 को भ्रष्टाचार के एक मामले में पेशी के दौरान इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से पाक रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था।

उनकी गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और दंगे भड़क उठे थे। इससे देशभर में नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ था।

सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल अहमद शरीफ ने इस वर्ष सात मई को कहा था कि पीटीआई (इमरान की पार्टी) के साथ कोई भी बातचीत हो सकती है, बशर्ते पार्टी अपनी ''अराजकता की राजनीति'' के लिए माफी मांगे। इस बयान के बाद, विभिन्न क्षेत्रों से यह मांग उठी कि खान की पार्टी को ''काला दिवस'' हिंसा के लिए माफी मांगनी चाहिए।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल में मीडिया से बातचीत के दौरान खान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि नौ मई की हिंसा के लिए माफी मांगने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से एक मेजर जनरल के नेतृत्व में रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था। खान ने कहा कि उल्टा सेना को उनसे माफी मांगनी चाहिए क्योंकि हिंसा के दिन पाक रेंजर्स ने उनका ''अपहरण'' कर लिया था।

पेरिस ओलंपिक: पति मैथियास बोए के पोस्ट पर तापसी पन्नू ने की मजाकिया टिप्पणी

पेरिस/भाषा। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के संन्यास लेने की घोषणा वाले पोस्ट पर मजाकिया अंदाज में उत्तर दिया है। बोए ने भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाई रंकीरेड्डी के पैरिस ओलंपिक से बाहर होने के बाद यह घोषणा की।

तापसी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर बोए के पोस्ट पर एक टिप्पणी में कहा, अब आप एक शादीशुदा आदमी हैं। आपको एक कदम पीछे हटने की जरूरत है।

लंदन ओलंपिक में रजत पदक विजेता बोए ने शनिवार को संन्यास की घोषणा की थी। बोए टोक्यो ओलंपिक के पहले से शेट्टी और सात्विकसाई रंकीरेड्डी के कोच थे। मैथियास बोए (44) ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, मेरे लिए मेरे कोचिंग के दिन यहीं खत्म हुए। मैं कम से कम अभी के लिए भारत या कहीं और कोचिंग नहीं दूंगा, कम से कम अभी तो नहीं। मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत ज्यादा समय बिताया है। कोच बनना भी काफी तनावपूर्ण है। मैं एक थका हुआ बूढ़ा आदमी हूं।

मार्च में एक निजी समारोह में अपने लंबे समय के साथी बोए के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली पन्नू ने शनिवार को बोए के पोस्ट पर एक आंसू भरी 'इमोजी' साझा की।

पन्नू ने लिखा, अब आप एक शादीशुदा आदमी हैं। आपको एक कदम पीछे हटने की जरूरत है। मुझे रोजाना काम से घर आकर आपके लिए खाना तैयार करना है और सफाई करनी है।

उद्घाटन समारोह

मुंबई में रविवार को अभिनेता टाइगर श्रॉफ मैट्रिक्स डांस अकादमी के उद्घाटन समारोह में अपनी मां आयशा श्रॉफ और बहन कृष्णा श्रॉफ के साथ फोटो खिंचवाते हुए।

फिल्म 'खेल खेल में' के जरिए फिल्मों में वापसी करेंगे फरदीन खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान फिल्म खेल खेल में के जरिये फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। फरदीन खान ने 14 साल बाद संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी से वापसी की थी।फरदीन की अब फिल्म 'खेल खेल में' रिलीज होने जा रही है।फरदीन खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं आप सभी के साथ 'खेल खेल में' का ट्रेलर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड हूं! ये पल मेरे लिए बहुत ही इमोशनल है क्योंकि ये 14 सालों में मेरी पहली थियेट्रिकल रिलीज है। बड़े पर्दे पर वापसी करना पुरानी यादों, उत्साह और कृतज्ञता से भरा एक सफर रहा है।मुदस्सर अजीज

(एमए) के साथ इस फिल्म पर काम करना अलग एक्सपीरियंस रहा है। 'दूल्हा मिल गया' फिल्म की बहुत सारी यादें ताजा हो गईं, जो किस्मत से मेरी आखिरी सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म भी थी। एमए के विजन और डेडिकेशन ने इस प्रोजेक्ट को हम सभी के लिए खास बना दिया है। और मैं इसका हिस्सा बनकर खासतौर से भाग्यशाली महसूस करता हूं।

फरदीन ने लिखा, फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू को, जिनके टैलेंट और जुनून ने इस कहानी को सबसे खूबसूरत तरीके से जीवंत किया है। आप में से हर एक ने फिल्म में एक अलग ही तरह का फील जोड़ी है, जिससे साथ काम करना और भी खुशी की बात हो गई। मैं फिल्म मेकिंग के दौरान मुझे दिखाए गए गर्मजोशी, प्यार और सम्मान के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। आपने मुझे इतने लंबे समय से थियेटर से दूर रहने के बाद भी इतना वेलकमिंग महसूस कराया. धन्यवाद।मेरे परिवार, दोस्तों और फैंस को- सालों से आपका अटूट सपोर्ट मेरी ताकत रहा है।

आपके प्यार और प्रेज के बिना ये वापसी संभव नहीं होती। मुझे उम्मीद है कि खेल खेल में आपको पसंद आएगी और आपके दिलों में भी उतनी ही खुशी लाएगी जितनी हमारे दिलों में है। इस सफर में मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद।

फिल्म 'मेरी बेटी मेरा अभिमान' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अंजना सिंह की आने वाली फिल्म मेरी बेटी मेरा अभिमान का ट्रेलर बी 4 यू चैनल पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म मेरी बेटी मेरा अभिमान की कहानी एक बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समाज के विभिन्न कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करते हुए अपने परिवार और खुद के सम्मान की रक्षा करती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक बेटी अपने आत्म-सम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करती है। फिल्म के निर्माता संदीप सिंह , अरविन्द अग्रवाल और निर्देशक संजीव बोहरपी हैं।

फिल्म मेरी बेटी मेरा अभिमान में अंजना सिंह , कंचन मिश्रा , तनवी श्री, सोनाली मिश्रा , पुष्पेंद्र सिंह , पंकज मेहता , गोलू तिवारी , विशाल यादव बाल कलाकार - दीक्षा , गौरांशी मुख्य भूमिका में हैं। कांसेप्ट संदीप सिंह का है। कथा पटकथा , संवाद अरबिंद तिवारी, संगीत - साजन मिश्रा, गीतकार अरबिंद तिवारी और गायक प्रियंका सिंह , सुगम सिंह , संध्या सरगम हैं। छायांकन विजय मंडल का है और कोरियोग्राफर कानू मुख़र्जी,सोनू प्रीतम हैं।

फिल्म 'आईसी 814 द कंधार हाइजैक' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

नेटफ्लिक्स इंडिया ने आईसी814 द कंधार हाईजेक का टीजर रिलीज कर दिया है। आईसी 814 द कंधार हाइजैक ड्रामा थ्रिलर है, जो 1999 के समय में हुई प्लेन हाइजैक की घटना पर आधारित है।विजय वर्मा इसमें पायलट के किरदार में नजर आएंगे।टीजर की शुरुआत में कुछ भारतीय यात्रियों को दिखाया गया है जो नेपाल के काठमांडू में त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार हो रहे हैं। विजय वर्मा एक पायलट के किरदार में नजर आ रहे हैं।

वह यात्रियों को आराम से बैठने के लिए कहते हैं। इतना हुआ ही होता है कि अचानक से पांच नकाबपोश आतंकवादियों उन्हें बंदूक की नोक पर ले लेते हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनीं आईसी 814 द कंधार हाइजैक में विजय वर्मा,नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, दिया मिर्जा और कुमुद मिश्रा जैसे सितारे नजर आएंगे। यह सीरीज 29 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'विपला फाउंडेशन' के लिए धन जुटाएंगे अथिया शेट्टी और केएल राहुल

मुंबई/एजेन्सी

स्टार जोड़ी अथिया शेट्टी और केएल राहुल ने विपला फाउंडेशन के लिए धन जुटाने के लिए क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ हाथ मिलाया है, जिसे पहले सेव द चिल्ड्रन इंडिया के नाम से जाना जाता था, जो मुंबई के बीकेसी में स्थित उनके विशेष जरूरतों वाले स्कूल के लिए है। इस जोड़े ने इस उद्देश्य के लिए राहुल द्रविड़, एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसे प्रसिद्ध और सम्मानित क्रिकेटरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों; जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन को भी साथ लाया है।

राहुल और अथिया ने एक विशेष क्रिकेट नीलामी का आयोजन किया है, जिसमें खेल के ये दिग्गज अपनी कोई बहुत ही प्रिय वस्तु दान करेंगे और फाउंडेशन के लिए वित्तीय सहायता जुटाएंगे। इस पहल के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने कहा, विपला फाउंडेशन मेरे बचपन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मैंने स्कूल के बाद कई दिन बच्चों को पढ़ाने और उनके साथ समय बिताने में बिताए हैं। इस नीलामी के माध्यम से, मैं अपनी नानी की विरासत को जारी रखने की उम्मीद करती हूं, जिन्होंने श्रवण बाधित और बौद्धिक विकलांग बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के इरादे से विपला फाउंडेशन की शुरुआत की थी।

उनके पति और प्रसिद्ध क्रिकेटर केएल राहुल ने कहा. स्कूल में मेरा पहला दौरा बहुत भावुक था और बच्चों ने मुझे इस महान पहल में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जिसका हिस्सा अथिया का परिवार रहा है। नीलामी विपला फाउंडेशन द्वारा बच्चों को एक बेहतरीन शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए किए जा रहे अविश्वसनीय काम का समर्थन करने का हमारा तरीका है। जब मैंने क्रिकेट बिरादरी से संपर्क किया, तो उन्होंने भी इस महान उद्देश्य के लिए अपने कीमती क्रिकेट आइटम दान करने में उतना ही सहयोग किया। नीलामी में भाग लेकर और यादगार वस्तुओं के लिए बोली लगाकर, प्रत्येक बोलीदाता इन विशेष बच्चों के जीवन में बदलाव लाने में हमारे साथ जुड़ रहा है।

बधिर दर्शकों के लिए फिर से रिलीज होगी 'गदर 2'

मुंबई/एजेन्सी

इंडिया साइनिंग हैंड्स के सहयोग से ज़ी स्टूडियोज़ को ब्लॉकबस्टर फ़िल्म गदर 2 को इसकी पहली वर्षगांठ से पहले फिर से रिलीज़ करने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। पिछले साल देश भर में लाखों लोगों के दिलों पर छाने वाली यह सीक्वल अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फ़िल्मों में से एक बन गई है और अब यह एक ख़ास वजह से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करेगी। सिनेमा को सभी के लिए सुलभ बनाने के एक अग्रणी कदम के तहत, सनी देओल, अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा अभिनीत इस फ़िल्म को बधिर दर्शकों के लाभ के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) व्याख्या के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में, उन्होंने देश भर में चुनिंदा पीवीआर सिनेमाघरों में फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए इस पहल पर सहयोग करने पर अपनी खुशी व्यक्त की है, जिससे दिव्यांग दर्शकों को एक इमर्सिव सिनेमाई अनुभव प्राप्त होगा। ज़ी स्टूडियोज़ से आलोक केजरीवाल (बधिर) द्वारा स्थापित मुंबई स्थित संगठन इंडिया साइनिंग हैंड्स (आईएसएच न्यूज़) ने बधिरों के लिए सुलभता समाधान प्रदान करने के लिए संपर्क किया था और कंपनी ने इस सहयोग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर अपनी खुशी भी साझा की है।

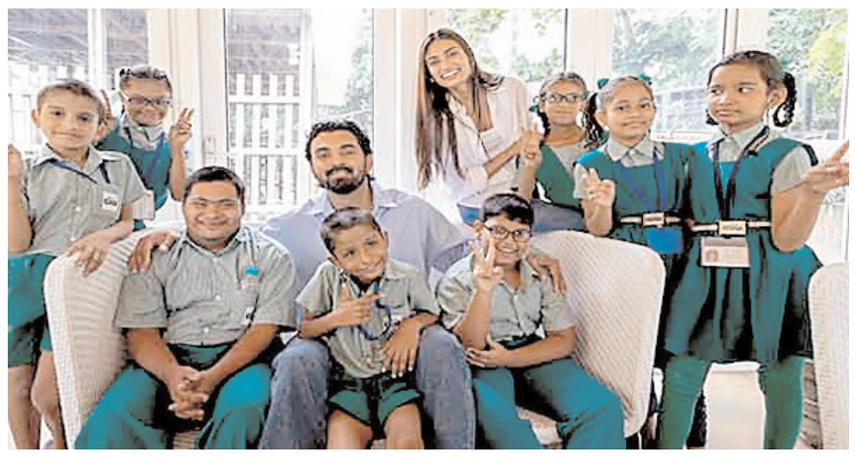

इस री-रिलीज़ पर टिप्पणी करते हुए, ज़ी स्टूडियोज़ के सीबीओ, उमेश कुमार बंसल ने कहा, गदर 2 एक ऐसी फ़िल्म है जो हर भारतीय की आत्मा से जुड़ी है। एक साल बाद, सार्थक पहल के लिए इसे फिर से बड़े पर्दे पर लाने पर हमें खुशी है। सिनेमा को सभी के लिए सुलभ बनाना हमारी प्राथमिकता है और इसे संभव बनाने के लिए हमें इंडिया साइनिंग हैंड्स के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। सनी देओल उर्फ ङ्खङ्खप्रतिष्ठित तारा सिंह ने भी अपनी खुशी साझा की और कहा, गदर 2 एक ऐसी फिल्म है, जिसका मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान है और रहेगा। इसलिए, रिलीज के एक साल बाद भी दर्शकों से मिल रहे प्यार और समर्थन को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। भारतीय सांकेतिक भाषा की व्याख्या के साथ यह फिर से रिलीज होने से फिल्म इस बार और भी अधिक दर्शकों के दिलों को छू पाएगी। सकीना के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाने वाली अमीषा पटेल ने कहा, गदर फिल्मों का हिस्सा बनना मेरे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। सकीना की कहानी को एक खास दर्शक वर्ग के लिए बड़े पर्दे पर वापस ला पाना बहुत अच्छा लगता है, जिन्हें हम सभी की तरह सिनेमा का पूरा आनंद लेने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं मिलते हैं और मुझे उम्मीद है कि यह पहल अन्य फिल्म निर्माताओं को सिनेमा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के लिए प्रेरित करेगी। मनोरंजन क्षेत्र में बधिर समुदाय की पहुंच संबंधी जरूरतों के प्रति उनकी समझ और सहानुभूति के लिए ज़ी स्टूडियोज के प्रति आभार व्यक्त किया है।

1971 के तीसरे भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित, गदर 2 तारा सिंह (सनी देओल) की वीरतापूर्ण यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह अपने बेटे चरणजीत (उत्कर्ष शर्मा) को बचाने के लिए सभी बाधाओं से जूझते हुए सीमा पार करता है। यह फिल्म रविवार, 4 अगस्त को भारत भर के सभी प्रमुख शहरों में चुनिंदा पीवीआर सिनेमाघरों में भारतीय सांकेतिक भाषा की व्याख्या के साथ दिखाई जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 05-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

नृत्य प्रतियोगिता में 55 वर्ष से ज़्यादा उम्र की महिलाएँ को राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुती दी जिसमें रतन बिहानी, सुमन बिहानी ने प्रथम, सरोज मन्त्री, माधुरी बाहेती ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जिनदत्तकुशलसूरी मंडल के रजत जयंती वर्ष पर होगे अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी के रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की मंगल शुरुआत मुनिश्री मलयप्रभसागरजी, साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, मंडल के संस्थापक अध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा आदि ट्रस्टियों के हाथों हुई। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के रजत जयंती वर्ष में पूरे वर्षभर चलने वाले इन कार्यक्रमों में 25 अनाथ आश्रमों में सेवा, वृद्धाश्रमों में सेवा, 25 स्नात्र पूजाएं, वैयावच्च भक्ति, साधर्मिक भक्ति, 25 गौशालाओं में गायों को चारा, 25 कबूतरखानों में दाना, 25 स्थानों पर श्वानों को दूधपान, 25 सदस्यों को नवकारशी का पच्छखान, ब्लड कैम्प का आयोजन, मेडिकल कैम्प का आयोजन, 25 घरों में गुरुदेव का इकतीस पाठ का आयोजन-पूनम भक्ति, युवा वर्ग को आकर्षित करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान के शिविर गुरुवर की निश्रा में, 25 बच्चों की शिक्षा में योगदान, हास्पिटल्स में खाना और फ्रूट वितरण आदि कार्यक्रम किए जाएंगे। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि रविवार से शुरू हुए इन कार्यक्रमों में आज कनकपुरा स्थित गौशाला में गायों को चारा, कबूतरों और पक्षियों को दाना, श्वानों के लिए दूध बिस्किट आदि वस्तुओं का वितरण मंडल के हितेंद्र चौपड़ा, गिरीश बोहरा, विकास बच्छावत, अंकित गुलेच्छा, अजय पारख सदस्यों द्वारा किया गया। पूरे वर्ष भर चलने वाले जीवदया कार्यक्रमों के लिए अनेक दानदाताओं ने सहयोग राशि प्रदान की। कार्यक्रम में मंडल के अनेक सदस्यों ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

युवा आगे आएं तो हर काम सफल हो जाता है : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में प्रातःकालीन प्रवचन में राजेशमुनिजी ने उपाध्यायश्री केवलमुनिजी व आचार्य आनंदऋषिजी की जयंती के साथ ही मुनि बद्रीप्रसाद का संथारा ग्रहण दिवस मनाया गया। इस मौके पर 'आज के युवा कल के भविष्य' विषय पर आयोजित विशेष प्रवचन में राजेशमुनि ने युवाओं को मार्गदर्शन दिया। मुनि ने कहा कि युवा वह है, जिसके सपने युवा हैं, जिसकी संकल्प शक्ति मजबूत है, जो आशावादी है,जो हर परिस्थिति में अपनी इच्छाशक्ति को अडिग बनाए रखता है। युवा जिस काम को हाथ में लेता है उसे पूरा करके ही दम लेता है। युवाओं ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से सफलता पाई है । युवाओं में युग परिवर्तन की शक्ति है। युवा आगे आएं तो हर काम सफल हो जाता है लेकिन धर्म सभाओं में उनकी कम उपस्थिति खटकती है। धर्म में अग्रणी बने बिना उनकी हर सफलता अधूरी है। जो युवा संसार के कामों में आगे है उसे धर्म के काम में भी आगे आना चाहिए।

बच्चों को संस्कारित करने पर जोर देते हुए मुनिश्री ने कहा कि संस्कारित करने की प्रक्रिया घर से शुरू होती है। घर ही बच्चे की पहली पाठशाला है। माता-पिता के आचरण का बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है इसलिए माता-पिता का आचरण आदर्श होना चाहिए। बच्चों को डांट फटकार भी लगाएं और प्यार से समझाएं। उनके मित्र बनें, उनके हित चिंतक बनें। आज विश्वास कम होता जा रहा है यह आज की सबसे बड़ी समस्या है।

रिश्तों में अविश्वास गहरा होता जा रहा है। अहंकार के कारण लोग एक दूसरे की सरहना भी नहीं करते। बोध कथाओं के माध्यम से मुनि ने जीवन में मुस्कुराने और धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में रिषभ मुनि भी उपस्थित रहे। इसके पहले गौतम ओस्तवाल ने महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डाला। संघ के मंत्री संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने आगंतुकों का स्वागत किया।

माहेश्वरी महिलाओं के सावन के सिंजारे में गूंजे सावन के गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी भवन में सावन का सिंजारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम झूले पर बैठे लड्डू गोपाल की पूजा सचिव निर्मला काँकाणी, निवर्तमान अध्यक्षा कान्ता काबरा, उपाध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा , सलाहकार सदस्य बिमला साबू, पुष्पा सारड़ा, कार्यकारिणी सदस्य चन्द्र कला राठी,नवयुवती सदस्य श्वेता झंवर, आशा बिसानी, बिमला चांडक ने प्रार्थना गीत से की। नृत्य प्रतियोगिता में 55 वर्ष से ज़्यादा उम्र की महिलाएँ को राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुती दी जिसमें रतन बिहानी, सुमन बिहानी ने प्रथम, सरोज मन्त्री, माधुरी बाहेती ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस सावन के सिंजारे में गीतों की हाउजी कार्यक्रम मे प्रसिद्ध गायक हितेश मेहता, रिषभ मेहता के सावन गीतों के साथ हाउजी का आयोजन किया जिसका सभी ने खूब आनंद उठाया। गीतकार का परिचय अर्पिता झंवर, दीपिका जाजू ने दिया तथा पदाधिकारियों ने उनका सम्मान किया।

हाउजी में गीतों का आनन्द महिलाओं ने नृत्य के साथ लिया एवं विजेताओं को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन नवयुवती सदस्य मृणाल राठी, मधु भूतड़ा ने किया। धन्यवाद मृणाल राठी ने दिया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या महाप्रसादी

बेंगलूरु के मैसूर बैंक सर्कल में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा आयोजित 76वीं महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें लगभग 5000 से भी अधिक जरुरतमंदों को भोजन का वितरण कराया गया। महाप्रसादी के मुख्य लाभार्थी परिवार ज्ञानचंद -संतोष बागरेचा मुथा परिवार रहा। इस महाप्रसादी में सेवा देने वाले समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना,महामंत्री उगमराज चौपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राजपूताना मातृशक्ति ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के मातृशक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता सिंह के नेतृत्व में बेंगलूरु मातृशक्ति द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। सभी महिलाएं हरियाली के प्रतीक के रूप में हरी साड़ी और हरी चूड़ियों में सज-धज कर शामिल हुई। महोत्सव में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें विजेता मेहंदी प्रतियोगिता में बेबी सिंह रही। नृत्य प्रतियोगिता में ममता सिंह, सुभाषिनी सिंह और स्वीटी सिंह ने बाजी मारी। गायन में प्रेमशीला सिंह, सुभाषिनी सिंह और रोहिणी सिंह ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। म्यूजिकल चेयर में स्वीटी सिंह और इंदु सिंह विजेता रहीं, जबकि स्पून रेस में काजल सिंह, पूनम सिंह, रिंकी सिंह और बेबी सिंह ने जीत हासिल की। इन कार्यक्रमों के साथ सावन के सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, समाज के उत्थान के लिए विचार-विमर्श किया गया और भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन करने की योजनाएं बनाई गईं। कार्यक्रम के आरंभ में ममता सिंह ने भारतीय राजपूताना सेवा संगठन की स्थापना की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 2011 में अनिल सिंह सिकरवार द्वारा स्थापित यह संगठन अब कई राज्यों में सेवा कार्य कर रहा है।

समत्व के महत्व को पहचानें : साध्वीश्री विपुलदर्शना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीरामपुरम जैन स्थानक में राष्ट्रसंत आनंदऋषिजी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गतिमान सप्त दिवसीय कार्यक्रमों के छठें दिन के विषय समत्व के महत्व को समझाते हुए साध्वी विपुलदर्शनाजी ने कहा कि हमें धर्म को देखने के लिये नजर तो मिली है परंतु समझने के लिये नजरिये की कमी है। हमे छोटी बातो को दिल में न बैठाकर नज़रंदाज़ करना है अन्यथा जीवन पतन की ओर चला जाएगा। उन्होंने कहा कि हमे भीतर में सदभाव रखते हुए संतुलित एवं संयमपूर्वक जीवन जीना है और यहीं से जीवन के सफलता की शुरुआत होती है। उन्होंने धर्मसभा में कहा कि जहा जहा पर आत्मा का उत्कर्ष है वहा पर जुड़ने से समत्व की ओर कदम बढ़ते है और बिना समत्व के अत्यंत पुण्योदय एसई प्राप्त इस मनुष्य भव का कोई महत्व नहीं रहता। आचार्य आनंदऋषि के बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने गुरु के प्रति अभिव्यक्ति रखी और अपने गुरु के गुणों को जीवन में उतारा, इन्ही विशेषताओं के कारण उनकी गिनती महापुरुषों में हुई।

साध्वी ने रविवार को स्थानक में आयोजित दया के महत्व को बताते हुए कहा कि छः काया की प्रति सहानुभूति रखते हुए उनके साथ दया रखना या उनकी सुरक्षा करने से मनुष्य उच्च गति की ओर बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि आचार्य आनंदऋषिजी ने धर्म व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए संघ-संस्थाओं को प्रेरणा देते हुए अनेकों धार्मिक संस्कार स्थलों, स्कूल-कालेजों, गौशालाओं आदि का निर्माण करवाया। श्रीरामपुरम संघ के एवंता बाल मंडल व श्री कन्या मंडल नए आचार्य आनंदऋषि के जन्म से लेकर साधु पर्याय की संपूर्ण यात्रा की प्रस्तुति दी। संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने जानकारी दी कि रविवार के दया दिवस का लाभार्थी भंवरीबाई हीराचंद गुगलिया परिवार रहा। संचालन संघ की अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

'गुरुओं के प्रति आदर भाव जरुरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

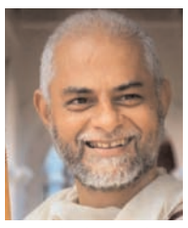

बेंगलूरु। स्थानीय सिमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में, आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने संभवनाथ भवन में रविवार को प्रवचन देते हुए कहा कि साधु संतों ने अनेक महापुरुषों के चरित्र लिखे हैं, ताकि उनके चरित्र के श्रवण से और उनके चरित्र के पढ़ने से आने वाली पीढ़ी कुछ सीख ले सके । आर्य देश के जो शासक हुए हैं, उनमें पराक्रम, प्रजाहित, प्रजावत्सलता, धर्म गुरुओं के प्रति आदर-सम्मान इत्यादि अनेक गुण थे। इसी कड़ी में आगे आचार्यश्री ने कहा कि कुमारपाल राजा भी उनमें से एक थे। कुमारपाल राजा का परिचय आचार्य श्री हेमचंद्रसूरीजी से हुआ था। संतश्री ने कहा कि सत्त्वगुण सभी गुणों में सिरमौर है। व्यक्ति को सत्त्वशाली बनना चाहिए। पराक्रमी बनना चाहिए।

शूले में आचार्यश्री आनन्दऋषि की जयंती समारोह आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपाध्याय केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट के दिवाकर दरबार में संतश्री बसंतमुनिजी के तत्वावधान में अमावस्या पर विशेष जाप रखा गया और पाक्षिक आलोचना पाठ, दोपहर को शूले स्थानक भवन में आयोजित किया गया। बसंतमुनिजी ने श्री उत्तराध्ययन सूत्र के 29 अध्ययन पर विवेचन करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों को धर्म से जोड़ने के सप्त कुव्यसन त्याग के साथ साथ अन्य 6 सूत्रीय नियमों की जानकारी देनी चाहिए।

महामंत्री प्रेम कुमार कोठारी ने बताया कि 5 अगस्त को आचार्यश्री आनन्दऋषि जी म सा की जयंती, तप त्याग और धर्म आराधना से शूले स्थित केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट में मनाई जाएगी।

अग्रवाल महिला मंडल की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अग्रवाल समाज कर्नाटक की अग्रवाल महिला मंडल का होटल में शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जिसमे अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कविता तायल सहित 29 समिति सदस्यों ने आगामी कार्यकाल के लिए अपने पद की शपथ ली।

आईपीपी अंजू अग्रवाल के साथ अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल और कोषाध्यक्ष अंकित मोदी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, विमला लाट, माया अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नेहा डालमिया, अंजू अग्रवाल ने भी नवगठित समिति को शुभकामनाएं दी।

जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने दो दिवसीय 'जेबीएन मिलाप' का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जीतो केकेजी जोन के तत्वावधान में जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने दो दिवसीय मेगा इवेंट जेबीएन मिलाप का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर 10 शहरों से प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें उपस्थित लोगों की क्षेत्रीय विविधता और उद्यमशीलता की भावना को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व कर्नाटक विधान परिषद के सम्मानित अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने किया। केकेजी जोन टीम, एपेक्स टीम और 200 से अधिक व्यवसाय उद्यमियों की एक प्रभावशाली सभा की सक्रिय भागीदारी थी। इस कार्यक्रम में अशोक सालेचा, अनिलकुमार जैन, भवरलाल जैन, तुषार बाफना, शरद मोमाया, प्रवीण चौधरी, भरत पटवारी, राजन जैन, मनीष जैन, कुणाल जैन आदि उपस्थित थे।

दादागुरुदेव सागरानंदसूरीश्वर की जयंती पर किया उनका गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के कंचगार गली में स्थित मरुधर शांति भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री जितरत्नसागरसूरीश्वरजी ने दादागुरुदेव श्री सागरानंदसूरीश्वरजी महाराज के 150 वें जन्मदिन पर धर्मसभा में गुणानुवाद करते हुए कहा कि महापुरुषों का जन्म लोक कल्याण और जगतोद्धार के लिए हुआ है। वह जन्म खुशी का कारण हो जाता है। संतश्री ने संपूर्ण जीवन लोककल्याण में लगाया था अतः हम उनका जन्मोत्सव मना रहे है। आचार्यश्री ने कहा कि हमें अपने जन्मदिन को सार्थक रूप से मनाना चाहिए और संस्कार से जुड़े रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन जीने का नजरिया बदल जाएगा एवं दशा और दिशा भी बदल जाएगी, जिन्हें भक्ति और विरक्ति चाहिए उन्होंने कभी भी श्मशान को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि श्मशान में भक्ति और वैराग्य का वास होता है। गुणानुवाद सभा में कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। गुणानुवाद सभा को संतश्री चन्द्ररत्नसागरसूरीजी, अर्हमरत्नसागरजी, ज्ञानेशरत्नसागरजी, चैत्यरत्नसागरजी एवं बालमुनि गौयमरत्नसागरजी म.सा. ने भी संबोधित किया। गुरुदेव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 45 आगमों की पूजा तीन दिन तक पढाई गई जिस में संघ के 45 परिवारों ने भाग लिया।

जीवन में धर्म का पालन अति आवश्यक : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि श्रावक श्राविका का शब्द तीर्थंकर द्वारा प्रदत्त विशेष रूप से चतुर्विध संघ को उपहार रूप मिला है। भगवान महावीर स्वामी ने चार तरह के श्रावक बताए हैं। प्रथम में निंदनीय पाप तथा पांच आश्रवों के त्यागी होते हैं, द्वितीय दर्जे के श्रावक सामायिक संवर में विशेष रूचि रखते हैं, तीसरे दर्जे के श्रावक प्रत्येक मास में छह पोषध अर्थात छोटा संयम भरा जीवन जी रहे होते हैं, चतुर्थ में श्रावक जो पंडित मरण की पूरी तैयारी कर अपने मृत्यु को संवारने में समता और निर्जरा में आत्मलीन होने का प्रयास करते हैं। वर्तमान जीवन शैली में परिवर्तन का दौर चल रहा है भोजन और भ्रमण में रुचि बढ़ रही है। खाद्य विशुद्ध की बजाय स्वाद और मिर्च नमक अधिकता भोजन से शरीर में बीमारियां आ रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धार्मिक अनुष्ठान

बेंगलूरु के चिकपेट के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में रविवार के दिन संतश्री निर्मोहप्रभविजयजी व साध्वीश्री अरिहंतप्रभाश्रीजी आदि ठाणा की निश्रा में चिकपेट सोहन हॉल में महापुरुषों की माता नामक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस मौके पर संगीतमय कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई तथा लाभार्थी परिवारों से पांच महिलाओं का अक्षत द्वारा सम्मान पूर्वक वधामणा किया गया। चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने गुरु उपकार स्मरण किया। बीजापुर से आए हुए संगीतकार आयुष जैन ने संगीत की प्रस्तुति दी। भोजन की व्यवस्था श्री आदिनाथ सेवा मंडल ने संभाली।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ एव अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलुरु शाखा के सदस्यों ने मैसूर में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की शिष्या प्रियकल्पनाश्रीजी के प्रवचन श्रवण दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया एवं मैसूर पिंजरापोल गोशाला में गायों को चारा खिलाया गया। खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली एवं युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना ने सभी का स्वागत किया। खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने श्री सुमतिनाथ जैन संघ मैसूर के प्रति आभार जताया। युवा परिषद के महामंत्री विकास खटोड़ एवं तोफराज गुलेच्छा ने सम्पूर्ण व्यवस्था सम्भाली। इस मौके पर बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com